दैनिक पंचांग

सूर्योदय: 07:06 ए एम
सूर्यास्त: 05:26 पी एम
तिथि: षष्ठी - 11:42 पी एम तक
नक्षत्र: मघा - 05:16 ए एम, दिसम्बर 15 तक
योग: विष्कम्भ - पूर्ण रात्रि तक
करण: गर - 10:33 ए एम तक
द्वितीय करण: वणिज - 11:42 पी एम तक
पक्ष: कृष्ण पक्ष
वार: बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 2 • अंक 258 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 14 दिसंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

पटना: नौकरी न मिलने पर प्रदर्शन कर रहे टेट-सीटेट अभ्यर्थियों पर बिहार पुलिस ने बरसाई लाठियां

पटना/एजेंसी। बिहार पुलिस ने मंगलवार को पटना में टेट और सीटेट पास कर चुके अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज किया। ये लोग परीक्षा पास करने के बाद भी नौकरी न मिलने पर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इससे जुड़े वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। जिसमें पुलिसकर्मियों को टेट और सीटेट अभ्यर्थियों को पीटते देखा जा सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। नीतीश ने यह भी साफ कर दिया कि वे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं हैं। महागठबंधन विधानमंडल दल की बैठक खत्म होने के बाद नीतीश ने यह बयान दिया है। बिहार प्रारंभिक युवा शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष दीपांकर गौरव ने बताया कि करीब चार सालों से शिक्षक अभ्यर्थी सीटेट, बीटेट पास कर सड़क पर आंदोलन को विवश हैं।

वित्त मंत्री के जाली सिग्नेचर के जरिये 3000 लोगों से की ठगी

नई दिल्ली/एजेंसी। अगर आप भी किसी बीमा पॉलिसी का इस्तेमाल करते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है. हो सकता है कि कोई आपको वित्त मंत्रालय के नाम पर लाखों रुपये का चूना लगा दे. जी हां! जरा सा ध्यान नहीं देने पर आप लाखों रुपये की ठगी का शिकार हो सकते हैं. देश की राजधानी दिल्ली में एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसे सुनकर खुद पुलिस भी हैरान है। वित्त मंत्रालय को एक शिकायतकर्ता ने शिकायत दी थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की क्प्र्रड यूनिट ने जांच की, जिसके बाद जालसाज़ों का एक बड़ा गैंग पकड़ा गया. यह गैंग किसी बड़ी संस्था नहीं, बल्कि सीधे वित्त मंत्रालय का नाम लेकर लोगों के साथ ठगी किया करता था. ठगी करने का इनका तरीका भी बेहद शातिराना था. आरोपियों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के फर्जी सिग्नेचर का भी इस्तेमाल किया था।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
62,533.30+402.73 (0.65%)
निफ्टी
18,608.00+110.85 (0.60%)

तवांग पर रक्षामंत्री राजनाथ ने संसद में दिया जवाब, बोले-

हमारे सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया

नई दिल्ली/एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सुबह उच्च स्तरीय बैठक भी बुलाई

तवांग में 9 दिसंबर को भारत-चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद में जवाब दिया। राजनाथ अपने 3 मिनट के जवाब में बोले- हाथापाई में दोनों तरफ के सैनिकों को चोटें आईं। हमारा कोई सैनिक नहीं मारा गया। भारतीय सेना ने चीनी सैनिकों को उनकी पोस्ट पर जाने को मजबूर कर दिया। 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित तवांग के यांगत्से में 9 दिसंबर को 600 चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने लाठी-डंडों से उन्हें वापस खदेड़ दिया था।

राजनाथ ने कहा- 9 दिसंबर 2022

को पीएलए ट्रूप्स ने तवांग में एलएसी का उल्लंघन कर नियम तोड़े थे। भारतीय सेना ने पीएलए को अतिक्रमण से रोका। उन्हें उनकी पोस्ट पर जाने के लिए मजबूर कर दिया। इस घटना में दोनों ओर के कुछ सैनिकों को चोटें भी आई हैं। हमारे किसी भी सैनिक की न तो मृत्यु हुई है और न कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। समय से हमने हस्तक्षेप किया। इसकी वजह से चीनी सैनिक वापस चले गए। इसके बाद लोकल कमांडर ने 11 दिसंबर को चाइनीज काउंटर पार्ट के साथ व्यवस्था के तहत फ्लैग मीटिंग की। चीन को ऐसे एक्शन के लिए मना किया गया और शांति बनाए रखने को कहा। कूटनीतिक स्तर पर भी मुद्दा उठाया गया। हमारी सेनाएं भौमिक अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसी भी प्रयास को रोकने के लिए तत्पर हैं। विश्वास है सदन सेनाओं की वीरता और साहस को समर्थन देगा। यह संसद बिना किसी संशय के भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और क्षमता का अभिनंदन करेगी। इससे पहले तवांग झड़प को लेकर संसद में भारी हंगामा हुआ। इस पर गृहमंत्री अमित शाह ने संसद के बाहर कहा कि भारत की एक इंच जमीन पर चीन ने कब्जा नहीं किया।

संसद में बवाल को लेकर कांग्रेस पर भड़के अमित शाह

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जब तक देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है तब तक कोई एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता। अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प की पृष्ठभूमि में उन्होंने यह बात कही। संसद में विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। शाह ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस ने राजीव गांधी फाउंडेशन के एफसीआरए (विदेशी अनुदान नियमन कानून) पंजीकरण को रद्द करने संबंधी प्रश्नों से बचने के लिए संसद में सीमा मुद्दे को उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से एक करोड़ 35 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ था,जो एफसीआरए कानून और उसकी मर्यादाओं के अनुरूप नहीं था, इसलिए इसका पंजीकरण रद्द कर दिया गया। गृह मंत्री ने कहा, '(जवाहरलाल) नेहरू के चीन प्रेम की वजह से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता छोड़ दी गयी।'

हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर निकला चीन का जासूसी जहाज 'युआन वांग 5'

नई दिल्ली/एजेंसी।

हिंद महासागर क्षेत्र में कुछ दिनों पहले दाखिल होने वाला चीन का विभिन्न निगरानी उपकरणों से लैस जासूसी जहाज 'युआन वांग 5' अब इलाके से बाहर निकल गया है. भारतीय नौसेना अपनी लंबी दूरी के निगरानी ड्रोन्स और समुद्री गश्ती विमान सहित कई माध्यमों के जरिए पोत की लगातार निगरानी कर रही थी. समाचार एजेंसी एएनआई ने नौसेना के सूत्रों के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। बीते 6 दिसंबर को सूत्रों ने बताया था कि चीन का जासूसी जहाज 'युआन वांग 5' हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हो चुका है, जिसके बाद से ही भारतीय नौसेना बैलिस्टिक

मिसाइल और सैटेलाइट निगरानी में सक्षम चीनी जहाज की आवाजाही पर नजर रखे हुए थे। अगस्त में हंबनटोटा बंदरगाह पर जहाज के ठहराव ने भारत और श्रीलंका के बीच एक राजनयिक विवाद पैदा कर दिया था। दक्षिण में गहरे सागर में स्थित हंबनटोटा बंदरगाह को उसकी अवस्थिति को लेकर रणनीतिक दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इस बंदरगाह को काफी हद तक चीनी ऋण से विकसित किया गया था।

ओपन सोर्स इंटेलिजेंस विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने 5 दिसंबर को ट्वीट किया था कि चीन का मिसाइल और उपग्रह निगरानी जहाज 'युआन वांग 5' हिंद महासागर क्षेत्र में प्रवेश कर गया है.

केंद्रीय कर्मचारियों को नहीं मिलेगा डीए के 18 महीने का बकाया

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों को झटका लगा है. दरअसल, 18 महीने के डीए बकाया को लेकर सरकार ने राज्यसभा में लिखित जानकारी दी है. सरकार ने मंगलवार को साफ किया कि महंगाई भत्ते के 18 महीने का बकाया जारी करना व्यावहारिक नहीं है. कोरोना काल में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत पर रोक लगा दी गई थी। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में साफ किया कि कोरोना काल में रोकी गई केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की बकाया किस्तें जारी करना व्यावहारिक नहीं है।

श्रद्धालुओं को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 17 की मौत

काठमांडू/एजेंसी।

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में दर्दनाक सड़क हादसे का मामला सामने आया है। मध्य नेपाल के कावरेपालनचोक जिले में मंगलवार शाम हुई एक सड़क दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई। कावरेपालनचोक के एसपी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि हादसे में 15 से ज्यादा लोग घायल भी हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कावरेपालनचोक के एसपी द्वारा

दी गई जानकारी के मुताबिक, ये हादसा करीब 6.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ। दुर्घटना का शिकार हुई बस एक धार्मिक समारोह से आए लोगों को ले जा रही थी। जिले के पुलिस अधीक्षक चक्रराज जोशी ने बताया कि एक धार्मिक समारोह से घर जा रहे लोगों से भरी बस कावरेपालनचौक के बेथनचौक ग्राम परिषद -4 में चलल गणेशस्थान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। एसपी चक्रराज जोशी ने आगे बताया कि तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी वहीं, अन्य 14 लोगों की मौत अस्पताल ले जाते समय हो गई। इसके अलावा 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। घटना स्थल पर बचाव कार्य जारी है। हालांकि घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि काठमांडू की राजधानी से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बेथनचौक इलाका खड़ी सड़कों और संकीर्ण ढलानों वाला है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय युथ प्रतियोगिता में दुमका के नमन हेंब्रम का चयन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 16 से 22 दिसंबर तक मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रिय यूथ प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु झारखंड राज्य यूथ टीम का सिलेक्शन ट्रायल देवघर में 8 दिसम्बर आयोजित किया गया था। जिसमें दुमका की ओर से भाग लेने वाले नमन हेंब्रम का चयन झारखंड राज्य यूथ टीम में किया गया है झारखंड टीम 14 दिसंबर को रांची से रवाना होगी। इस चयन प्रतियोगिता में झारखंड राज्य के लगभग 24 जिलों के खिलाड़ियों ने अपने दमखम का प्रयोग कर प्रदर्शन किया है जिसमें नमन हेंब्रम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए झारखंड राज्य टीम में अपनी जगह बनाई।इस अवसर पर जिला वॉलीबॉल संध के चेयरमैन- बिमल भूषण गुहा, उर्फ बाबू दा ने पुष्पगुच्छ व खेल कीट देकर सम्मानित किया तथा बधाई व सुभकमनाए देने में अध्यक्ष अमित कुमार, कार्यकारणी अध्यक्ष सूरज केशरी संघ के सचिव मुकेश कुमार, उप सचिव विनय कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष- हैदर हुसैन उपाध्यक्ष- मनोज कुमार घोष,दाऊद अली, कुलदीप सिंह, संतोष कुमार गोस्वामी, अमित कुमार पाठक मीडिया प्रभारी गौरव सिंह तथा अन्य सदस्यों ने खिलाड़ी नमन हेंब्रम को बधाई व शुभकामना व अच्छा खेल का प्रदर्शन करने हेतु आशीर्वाद दिया.

जिप उपाध्यक्ष ने मृतक एवं घायल के परिजनों से मिलकर दिया हर संभव मदद का आश्वासन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सोमवार को जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मंडल ने पौड़ेपानी गांव पहुंचकर सड़क दुर्घटना में मारे गए संतोष राय एवं गंभीर रूप से घायल हुए मुन्ना राय के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना देने के साथ ही मृतक संतोष राय के परिजन को सरकार की ओर से मिलने वाले 10 हजार रुपया तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई। उपाध्यक्ष श्री मंडल ने मृतक के परिजनों को आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाली सभी सुविधाएं दिलाई जाएगी। वही घायल मुन्ना राय का बेहतर इलाज करवाया जाएगा। बता दें कि रामगढ़ दुमका मुख्य मार्ग पर सोमवार को महूबना गांव के पास पत्थर लोड ट्रक एवं बाइक के बीच हुई टक्कर में गंभीर रूप से घायल थाना क्षेत्र के पौड़ेपानी गांव निवासी संतोष राय की इलाज के लिए दुमका ले जाने के क्रम में रास्ते में मौत हो गई थी जबकि बाइक पर बैठा दूसरा सवार मुन्ना राय गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका इलाज डीएमसीएच मे चल रहा है। रामगढ़ थाना पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन चालक पर तेजी एवं लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज करते हुए ट्रक को जप्त कर लिया है।

संयुक्त सचिव ने किया जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत कार्य प्रगति की समीक्षा और कार्य निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मंगलवार को संयुक्त सचिव दिनेश कुमार यादव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची एवं तकनीकी सलाहकार सुधाकांत झा के द्वारा दुमका जिला अंतर्गत जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 से संबंधित कार्य प्रगति की समीक्षा समाहरणालय सभागार दुमका में किया गया। जल जीवन मिशन के कार्य से संबंधित विभाग के सभी कर्मियों, एजेंसीयों से समीक्षा करते हुए कार्य मे प्रगति लाने का निदेश दिया गया। क्षेत्र भ्रमण में मसलीया प्रखंड के गोड़माला गांव में जल जीवन मिशन से बन रहे डब्ल्यूटीपी कार्यों का निरीक्षण किया गया साथ ही साथ मसलिया प्रखंड के प्रखंड के 100% एफएचटीसी कोलारकंदा ग्राम का निरीक्षण किया गया यहां की मुखिया जी एवं जलसहिया के द्वारा बुके प्रदान कर सभी का स्वागत किया गया। क्षेत्र भ्रमण में स्टैंड पोस्ट को ब्लु रंग से रंगवाने के साथ अन्य जरूरी निदेश भी दिया गया। ग्राम में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत ठोस एबं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्य सोक पिट, वर्मी कंपोस्ट पिट, नाडेप निर्माण का भी कार्य करवाने के लिए कहा गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों को आवशयक व उचित दिशा निर्देश दिया। इसके अलावे निरीक्षण क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को एसएलडब्लूएम के सभी कार्य सोक पिट, नाडेप,एवं वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कार्य में उपयोग एवं व्हाईल राइटिंग स्लोगन करने सहित अन्य बिंदुओं पर आवशयक दिशा निर्देश दिया।इस मौके पर उपरोक्त के अलावा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग दुमका के अधीक्षण अभियंता बृजनंदन कुमार, दुमका दोनों प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अनुज कुमार मिश्रा एवं गंगाराम ठाकुर, सहायक अभियंता , सभी जिला समन्वयक, के अलावे सभी कनीय अभियंता, प्रखण्ड वा-ॅस समन्वयक, आइएसए प्रतिनिधि और यूनीसेफ टीम उपस्थित थे।

उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना करने एवं मनमानी करने पर किया गया निलंबित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। काठीकुंड प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय रानीपहाड़ी के प्रभारी प्रधानाध्यापक नारायण भंडारी को उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना करने एवं मनमानी करने पर निलंबित कर दिया गया है।जिला शिक्षा अधीक्षक ने इसको लेकर संबंधित अधिकारी व व्ययन सह निकासी पदाधिकारी को पत्र जारी कर दिया है। विभागीय जानकारी के अनुसार विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में मनमाने ढ़ंग से कार्य करने तथा अन्य कतिपय कारणों से निलंबन करने हेतु आवेदन दिया गया है। उक्त प्रतिवेदन के आलोक में उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला शिक्षा स्थापना समिति दुमका से संचिका में प्राप्त आदेश के आलोक में झारखंड सरकारी सेवक नियमावली 2016 की धारा के अधीन नारायण भंडारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही के अधीन किया गया है। बताया जा रहा है कि निलंबन के अवधि में नारायण भंडारी का मुख्यालय क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी निर्धारित किया गया है। विभागीय सूत्रों की मानें तो प्रभारी प्रधानाध्यापक नारायण भंडारी की कार्यशैली से क्षेत्र के अभिभावक भी परेशान थे। वे कोई भी कार्य नियम संगत नहीं करते थे। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी संतमर्सी टुडू ने बताया कि उत्क्रमित उच्च विद्यालय रानीपहाड़ी में पदस्थापित नारायण भंडारी को निलंबित कर दिया गया है।

सुखी संपन्न लोग लेबर कार्ड बनवाकर हड़प रहे हैं मजदूरों को दी जाने वाली मजदूरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सरैयाहाट प्रखंड विभिन्न सरकारी योजनाओं में ब्याप्त भ्रष्टाचार के कारण हमेशा सुर्खियों में बना रहता है। ताज़ा मामला माथाकेसो पंचायत से सामने है,जहाँ आज पंचायत क्षेत्र के लाभुकों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रखंड विकास पदाधिकारी दयानन्द जायसवाल को अवैध रूप से राशि निकालने के मामले से अवगत कराते हुए आवेदन दिया हैं। बताते चलें कि प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायतो से मनरेगा योजना को लेकर शिकायत आती रहती है,डोभा हो या या मिट्टी मोरम रोड शिकायत करने पर एक ही उत्तर मिलता है,जांच करा कर दोषियो पर कार्यवाही की जाएगी मगर आज तक किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।आज मंगलवार को भ्रष्टाचार की शिकायत लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंचे लाभुकों ने बताया कि सुखी सम्पन्न परिवारों के नाम पर लेबर कार्ड बनाकर पैसे की निकासी की जा रही है।अवैध रूप से राशि की निकासी कर घूमने के लिए चार चक्का वाहन,मोटरसाइकल,बेटे के लिए अलग से मोटरसाईकिल खरीदी जा रही है।सुखी सम्पन्न लोग लेबर कार्ड बनवाकर मनरेगा मजदूरों की राशि हड़प रहे है।हद तो तब हो गई जिस लाभुक का मकान अभी लीलटन तक नहीं बना है उसे भी कागजी प्रक्रिया कर पूर्ण दिखा दिया गया है।माथाकेसो के पूर्व मुखिया मानिक लाल ने बताया कि एक सप्ताह में दोषियों पर कार्यवाही नहीं हुई तो हम सभी लाभुकों के साथ सशरीर जिला मुख्यालय पहुंचकर उपायुक्त को अवगत करायेगे।उन्होंने कहा कि आये दिन समाचार पत्रों में सरैयाहाट में ब्याप्त भ्रष्टाचार की खबरें प्रकाशित होती रहती है।लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होती।उचित कार्रवाई नहीं होने से भ्रष्टाचार करने वाले लोगों का मनोबल दिन दोगुना रात चौगुना बढ़ता ही जा रहा है।जनता जानना चाहती है कि आखिर सरैयाहाट प्रखंड में हो रहे भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए किसी का द्वारा दबाब तो नहीं बनाया जा रहा है।

बीडीओ ने किया विकास योजनाओं की समीक्षा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखण्ड सभागार दुमका में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर द्वारा विकास योजनाओं की समीक्षा किया गया। जिसमें मनरेगा से संबंधित मानव दिवस सृजन, कल्याण विभाग का पशु शेड, सोकपीट तथा योजनाओं की पूर्णताः के संबंध में सभी रोजगार सेवक को निदेश दिया गया कि अगले दस दिनों में कार्यो में प्रगति लाना सुनिश्चित करें । प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निदेश दिया गया। अगले पन्द्रह दिनों में सभी बिरसा आवासों को पूर्ण करने का निदेश दिया गया। आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय और पेयजल का पुनः सर्वे कर वास्तविक स्थिति से अवगत कराये । समीक्षा के दौरान पंचायत सचिव द्वारा बताया गया कि चार आंगनबाड़ी केन्द्रों में 15वीं वित्त की राशि से शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। 15वीं वित्त से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अगले दस दिनों में अधिक से अधिक योजनाओं को पूर्ण करने का निदेश दिया गया ।समीक्षा के दौरान सात पंचायतों के पंचायत सचिव द्वारा दिव्यांगों की सूची उपलब्ध कराया गया जिनके पास दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं है। इसके लिए उपायुक्त महोदय से अनुरोध कर दुमका प्रखण्ड मुख्यालय में दिव्यांगों के लिए दिव्यांग प्रामाण पत्र बनाने हेतु कैम्प लगाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के अन्तर्गत पंचायत सचिवों के द्वारा कुल 51 (एकावन) आवेदन दिया गया, जिसे जिला कल्याण पदाधिकारी, दुमका को भेजा जा रहा है ।समीक्षा बैठक में प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा,प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, दुमका, प्रखण्ड समन्वयक, सभी पंचायत सचिव, सभी रोजगार सेवक आदि उपस्थित थे।

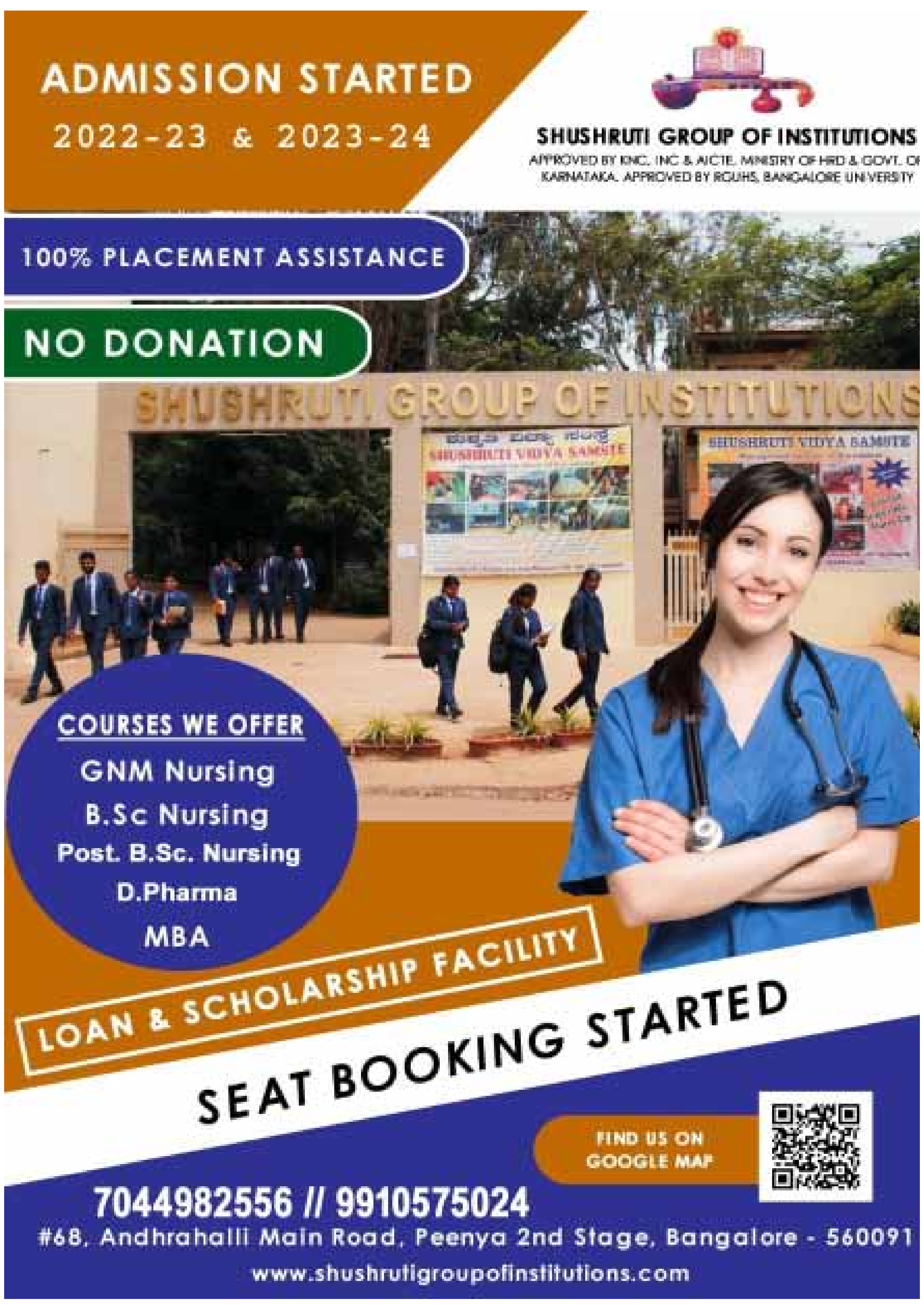

संक्षिप्त समाचार

शिक्षकों को दिया गया यू डायस प्लस प्रशिक्षण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । मध्य विद्यालय धनुषपूजा में पाकुड़ प्रखंड के सभी स्कूलों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों को विद्यालय से संबंधित डाटा को ओनलाइन भरने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक अमृत ओझा, ताईजूद्दीन शेख, अर्पिता कुमारी एवं बरूण भगत द्वारा विद्यालय से संबंधित डाटा को सही सही भरने के बारे में बताया गया। विद्यालय भवन कि स्थिति, कमरों की संख्या, शौचालय की सुविधा, स्मार्ट क्लास, शिक्षकों का विवरण समेत विद्यालय से संबंधित सभी तरह का डाटा अपलोड करना है। प्रशिक्षक अमृत ओझा ने बताया कि यूडायस प्लस डाटा बहुत ही महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसमें विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और आवशयकताओं का आकलन कर विभाग एवं सरकार योजना तैयार करती है। इसे भरने में सावधानी बरतने का निर्देश दिया ताकि सही जानकारी मिल सके। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक बद्री रविदास, शमीम अख्तर, दिलीप कुमार राय, रीना साहा, कोनिका टूडू, रियाजूद्दीन अंसारी, कपूर महतो, शंभूशरण यादव, अविनाश पंडित, रोहित मंडल, कूलदीप महतो, पोखन महतो समेत सभी विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित थे।

ट्रक ओनर एसोसिएशन/अमड़ापाड़ा के गाड़ी मालिकों की हुई बैठक

पाकुड़/दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । दुमका जिला ट्रक ओनर एसोसिएशन एवं आमड़ापाड़ा के कुछ कुछ ट्रांसपोर्टरों की एक बैठक की गई. बैठक में सभी सदस्यों के द्वारा कोयला परिवहन के दौरान गाड़ी परिचालन करने में आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा की गई एवं बीजीआर प्रबंधक पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक अमरापाड़ा पाकुड़ के समक्ष अपनी कुछ मांगों को रखा गया. ट्रांसपोर्टरों ने अपनी मांग में कहा है की जीएसटी के साथ बिल लेने की व्यवस्था की जाए, एक्सीडेंटल का जो रुपया कटा है उसे वापस किया जाए, टीडीएस कटौती के संबंध में, बिल का भुगतान प्रत्येक माह होना चाहिए. सभी सदस्यों के द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बीजीआर कंपनी द्वारा उक्त चारों बिंदुओं पर विचार एवं वार्तालाप करने के लिए करने के लिए 5 दिन का समय दिया जाता है अगर प्रबंधक द्वारा कोई सार्थक पहल नहीं की जाती तो सभी ट्रांसपोर्टर चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे'

गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर दो ट्रैक्टर को किया जब्त

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । उपायुक्त के आदेश पर जिला प्रशासन अवैध परिवहन करने वालों पर काफी सख्त है, समय समय पर जिला टास्क फोर्स अपनी करवाई करते नजर आते है,इसी क्रम में क्षेत्र भ्रमण के दौरान अंचल निरीक्षक देवकांत सिंह ने आज बहिरग्राम फाटक के पास गिट्टी लदे हुए दो ट्रैक्टर को पकड़ा, जिसमे अपनी क्षमता से तीन गुना जायदा गिट्टी लोड था. प्रशासन की गाड़ी को देखते ही ट्रैक्टर के ड्राइवर ट्रैक्टर से कूद कर भाग निकले, अंचल निरीक्षक काफी देर तक ट्रैक्टर के पास खड़े रहे लेकिन कोई मालिक या ड्राइवर ट्रैक्टर/गिट्टी संबंधित कोई वैध कागजाद लेकर ट्रैक्टर के पास नहीं आया, ड्राइवर का भागना अवैध परिवहन को दर्शाता है।अंचल निरीक्षक के द्वारा ट्रैक्टर पकड़ने की सूचना मालपहाड़ी थाना को दी गई,मालपहाड़ी थाना प्रभारी आशीष कुमार के निर्देश पर एएसआई पप्पू कुमार चौधरी अपने पुलिस बल के साथ पहुंचे और दोनो ट्रैक्टर को पकड़ मालपहाड़ी थाना लेकर आए। ट्रैक्टर दोनो जो पकड़े गए उनका नंबर हइ 93 2857,खल04 9436 है जिसमे अपनी क्षमता से तीन गुना मॉल लोड पाया है।

पूर्व विधायक डीसी से मिले, रखा गाँव के ग्रामीणों की समस्या

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पूर्व विधायक सह आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष अकील अख़्तर, प्रखंड अध्यक्ष रफीक अहमद एवं जिला प्रधान सचिव मिथलेश ठाकुर के साथ पाकुड़ उपायुक्त से मिले. जिसमे क्षेत्रीय मुद्दे को लेकर काफी चर्चा किया। जिसमें सबसे ज्यादा बिजली कटौती को लेकर किया गया। नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों के भविष्य निधि की विसंगतियों को दूर करने को कहा गया, उपायुक्त महोदय ने दूरभाष पर कार्यपालक पदाधिकारी को आवशयक दिशानिर्देश दिए। साथ ही पाकुड़ में बदहाली स्वास्थ को लेकर भी चर्चा हुई। तथा पाकुड़ प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च विद्यालय अधिष्ठापन तथा बर्तमान में उच्च विद्यालय को प्लस टू में अपग्रेड करने पर बर्ता हुई, जिसमे मूल रूप से प्रखंड में 3 हाई स्कूल के लिए सर्वे कर उसके अधिष्ठापन शीघ्र पूरा करने का आश्वासन उपायुक्त महोदय ने दिया।

डीसी ने भूमि संरक्षण विभाग, कृषि विभाग और उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा की

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । उपायुक्त वरुण रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में भूमि संरक्षण विभाग, कृषि विभाग और उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उपायुक्त वरूण रंजन ने झारखंड कृषि ऋष्ण माफी योजना, पीएम किसान का ई-केवाईसी, पीएम किसान के लाभुकों को केसीसी से आच्छादित की स्थिति, वर्ष 2022-23 की उपलब्धि की अद्यतन स्थिति, 90 प्रतिशत एवं शत प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण की स्थिति, लैम्प्स पर बीज वितरण की उपलब्धि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कृषि ऋण माफी योजना में ई-केवासी के लिए 3900 आवेदन लंबित है एवं मुख्यमंत्री सुखार राहत योजना में अब तक कुल 63,822 आवेदन जनरेट किया गया है। इस संबंध में उपायुक्त ने सभी आवेदनों को अंचल से सत्यापित करने का निर्देश दिया। वहीं भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि 60 तालाब जीणोद्धार करने का लक्ष्य प्राप्त था, अब तक 51 तालाब जीणोद्धार का कार्य पूर्ण हो चुका है। उपायुक्त ने शेष तालाबों का कार्य ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। डी बोरिंग के लिए लाभुकों समिति के साथ बैठक कर जल्द से जल्द डी बोरिंग का कार्य पूर्ण करें, जो भी योजनाएं लंबित है। उन योजनाओं को ससमय पूर्ण करे। योजनाएं अच्छे से कंप्लीट हो इसका विशेष ध्यान रखें। वहीं कृषि यांत्रिकीकरण योजना के तहत कृषक को 90 प्रतिशत अनुदान पर पंपसेट की योजना संचालित है। इस योजना से ज्यादा से ज्यादा कृषक को लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 की उपलब्धि तथा वर्ष 2022-23 की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी प्रसनजीत महतो, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी सुजीत एक्का, जेएसएलपीएस डीपीएम प्रवीण मिश्रा, उप परियोजना निदेशक आत्मा अरविंद कुमार राय समेत अन्य उपस्थित थे।

डीसी ने चास-हाट योजनाओं की समीक्षा बैठक की

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त वरूण रंजन ने चास हाट योजनाओं की समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त वरूण रंजन ने एम डी आइ के 300 किसान लाभुकों को चिन्हित करने, शेयर को बढ़ाने हेतु क्लस्टर वाइज समीक्षा करने एवं स्पेशल ड्राइव चलाने का निर्देश दिया। नर्सरी के 30 लाभुकों द्वारा 30 हज़ार से 40 हजार पौधा बेचकर जो आयवर्धन हुआ है उसके लिए उपायुक्त ने दीदियों का उत्साहवर्धन किया। उपायुक्त ने प्रत्येक दीदीयों को कम से कम 1 लाख पौधे तैयार करने हेतु कार्य योजना बनाने एवं जनवरी में इस पर कार्य करने का निर्देश दिया। रबी में होने वाली सब्जियों की विक्री चास हाट कम्पनी के माध्यम से करवाने का निर्देश सीईओ को दिया गया। भूमि संरक्षण विभाग द्वारा मिलने वाली पम्पसेट को अगले जनवरी 10 को आयोजित होने वाले मेला में वितरण का भी लक्ष्य दिया गया। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी प्रसनजीत महतो, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी सुजीत एक्का, जेएसएलपीएस डीपीएम प्रवीण मिश्रा, सभी क्लस्टर हेड समेत अन्य उपस्थित थे.

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन के तहत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महेशपुर प्रखंड में आयोजित किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी, महेशपुर के द्वारा किया गया. मंगलवार को महेशपुर प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में श्री उमेश मंडल की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पर ज़िला परामर्शी स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण सुमन कुमार मिश्रा के द्वारा निम्न प्रकार से जानकारी दी गई। व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण वैसे लाभुक जो किसी कारण से शौचालय नहीं बना पाए है उनके घरों पर शौचालय का निर्माण कार्य किया जाय। इसके अंतर्गत ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन लाभुक के द्वारा किया जा सकता है एवं निर्माण का पश्चात राशि सीधे खाते में भुगतान की जाएगी। सूखे एवं ठोस कचरे का निष्पादन सूखे कचरे के निष्पादन हेतु ग्राम स्तर पर काम्पोस्ट पिट, नाडेप, बर्मी काम्पोस्ट पीट आदि का निर्माण किया जाना है। इस हेतु व्यक्तिगत निर्माण मनरेगा द्वारा सामुदायिक स्तर पर निर्माण एसबीएमजी के मद से किया जाएगा। तरल कचरे का निष्पादन तरल कचरे के निष्पादन हेतु सामुदायिक सोक पिट का निर्माण सभी सरकारी चापकलों में एसबीएमजी मद से किया जाना है एवं मनरेगा के माध्यम से व्यक्तिगत सोक पीट का निर्माण कार्य किया जाएगा। माहवारी स्वच्छता प्रबंधन माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के तहत प्रत्येक ग्राम में अशयकता अनुसार भस्मक का अधिस्थापन किया जाना है। यह निर्माण कार्य पूर्ण रूप से पंद्रवें वित्त के माध्यम से किया जाना है। गोवर्धन योजना इस योजना के तहत एसबीएमजी के माध्यम से सामुदायिक आधारित गोबर गैस प्लांट की स्थापना की जा सकती है जंहा पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध है।प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार मंडल के द्वारा जानकारी दो गई की प्रखंड के 56 ग्रामों को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु 2022-23 में लक्षित है एवं सम्पूर्ण कार्य माह मार्च 2023 तक पूर्ण की जानी है। वैसे ग्राम जंहा शत प्रतिशत हर घर जल दिया गया है वैसे घरों पर मनरेगा के माध्यम से किया जाएगा। मौक़े पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश मंडल, ज़िला परामर्शि सुमन कुमार मिश्रा , प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी प्रोसंजित मण्डल, अमरेन्द्र सिंह प्रखंड समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण सभी पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, रोज़गार सेवक, कनिय अभियंता, सहायक अभियंता एवं जल सहिया सहित अन्य उपस्थित थे।

लाखों के राशि गबन के आरोपी तत्कालीन जेई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। लाखों की राशि गबन मामले के नामजद आरोपी लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड कार्यालय के बहुचर्चित तत्कालीन कनीय अभियंता रवि कुमार को हिरणपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना कांड संख्या 4/20 में आशीष कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर धोवाडांगा निवासी विकास कुमार साहा आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। जिसमे विकास साहा ने उल्लेख किया था, की विभिन्न योजनाओं को लेकर मेरे द्वारा 10.3.2019 से 29.6.2019 तक कुल 59,58,906 रुपये की निर्माण सामग्रियों की आपूर्ति की गई। इसको लेकर उक्त योजनाओ में किये गए निर्माण सामग्रियों के आपूर्ति के विरुद्ध भौचर सम्बन्धित आइटीडीए कार्यालय पाकुड़ में जमा किया गया था। निर्माण कार्य में किये गए सामग्रियों के बावत राशि की भुगतान न मिलने को लेकर मैंने अधिवक्ता लिपिक के माध्यम से सूचना अधिकार के तहत आइटीडीए कार्यालय से जानकारी मांगी। जिसमें मुझे जानकारी मिली कि सम्बन्धित योजनाओ के कनीय अभियंता सह विभागीय अभिकर्ता रवि कुमार के द्वारा मेरे द्वारा जमा किये गए बिल भौचर का जालसाजी कर डुप्लीकेट प्रति बनाकर राशि का भुगतान विभाग से प्राप्त कर लिया। इस बावत थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि दर्ज मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत जेल भेज दिया गया है।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के शासी परिषद की हुई बैठक, कई योजनाओं की स्वीकृति हेतु विचार विमर्श

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के शासी परिषद की बैठक उपायुक्त वरूण रंजन की अध्यक्षता में सोमवार देर को समाहरणालय सभागार में की गई। बैठक में कई योजनाओं की स्वीकृति हेतु विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के क्रियाकलापों के बारे में चर्चा की गई। बता दें कि डीएमएफटी की राशि को मूल प्राथमिकता क्षेत्र और अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के कार्यों में खर्च किया जा सकता है। डीएमएफटी की 60 प्रतिशत राशि को मूल प्राथमिकता क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, महिला और बाल कल्याण, पेय जलापूर्ति, बुजुर्ग और दिव्यांग कल्याण और पर्यावरण संरक्षण एयर प्रदूषण नियंत्रण की योजनाओं के लिए खर्च करने का प्रावधान है। वर्तमान समय में डीएफएमटी के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया गया। खनन प्रभावित क्षेत्र से आए हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया। इस संबंध में उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द कर दिया जाएगा। मौके पर उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, जिला परिषद अध्यक्ष जूली खिष्टमणी हेंब्रम, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, पाकुड़ विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद, महेशपुर विधायक प्रतिनिधि अब्दुल बदुद, लिट्टीपाड़ा विधायक प्रतिनिधि अजीजुल इस्लाम, जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप साव, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष, जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार, एसएमपीओ पवन कुमार एवं खनन प्रभावित क्षेत्र के प्रमुख, उपप्रमुख, मुखिया, उप मुखिया समेत अन्य उपस्थित थे।

बीडीओ ने प्रखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधि और प्रखंड कर्मियों के साथ की बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । स्वच्छ भारत मिशन के तहत मंगलवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड कर्मियों की एक विशेष बैठक प्रखंड के सभागार भवन में बीडीओ संजय कुमार की अध्यक्षता में की गई. बैठक में बीडीओ ने प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, कंनीया अभियंता पेयजल विभाग, जेएसएलपीएस के कर्मचारी, प्रखंड समन्वयक, पेयजल स्वच्छता विभाग कर्मी जनप्रतिनिधियों को अपने पाने क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति लोगो को जागरूक करने को लेकर आवशयक दिशा निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस मे मिलकर काम करें. उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक कर वहां तक सरकार की जनकल्याणकारी योजना को पहुचाने सहित सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत ग्रामीणों को उपलब्ध करने को लेकर आवशयक दिशा निर्देश दिया .उन्होंने कार्य मे लापरवाही कतई बर्दाश्त नही किया जाएगी. प्रखंड कृषि पदाधिकारी केसी दास ने किया कहा कि 15 वें बित आयोग से जितने भी मुखिया को राशि आवंटित हुए हैं. उसको सही तरीके से योजना में खर्च करना है. छोटे बड़े सभी प्रकार योजनाएं ले. स्वच्छ भारत मिशन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि जितने भी पूर्व में शौचालय निर्माण हुआ है. उपोग में नहीं लाया जाता है. किस कारण से उपयोग नहीं करते हैं. जांच कर शौचलय को चालू करने का निर्देश दिया. मौके पर बीपीओ मानिक दास, मनरेगा जेई विजय कुमार, जेई जेम्स मुर्मू, पेयजल स्वच्छता विभाग, मुखिया प्रतिनिधि मुंशी सोरेन, प्रेम लाल मुर्मू सहित अन्य मौजूद थे.

वृद्ध महिला की मौत से चार नाबालिग भाई -बहन अनाथ, प्रशासन ने कराया उपलब्ध राशन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़:(विनोद कुमार दास) । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के डुमरचिर गाँव के पहाड़िया टोला में एक परिवार के वृद्ध महिला की मौत से चार नाबालिग भाई -बहन अनाथ हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर स्थित डुमरचीर पंचायत अंतर्गत आदिम जनजाति बहुल गांव डुमरचीर पहाड़ में बसे एक ही परिवार के चार नाबालिग भाई बहन अनाथ हो गए। वहीं बच्चों के अनाथ होने की सूचना स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधि के द्वारा स्थानीय प्रशासन को दिया गया। सूचना मिलते ही बीडीओ सह सीओ कुमार देवेश द्विवेदी के द्वारा हर संभव मदद राशन सहित अन्य सुविधा अनाथ बच्चों को उपलब्ध कराया गया। वहीं डुमरचीर पंचायत के मुखिया रामी पहाड़िन के द्वारा कंबल, राशन सहित अन्य संभावित मदद किया गया। जानकारी के अनुसार डुमरचीर पहाड़ गांव में आदिम जनजाति के कुल 38 परिवार निवास करते है। जिसमें तीन पहाड़िया परिवार पहाड़ के ऊपर रहते है। पहाड़ पर बसे उन्ही में से एक घर में वृद्ध महिला सोनी पहाड़िन (52), एक नाबालिग लड़की और तीन नाबालिग लड़के बहुत ही मुश्किल से अपना भरण पोषण करते थे। शनिवार की देर शाम को घर की दादी के रूप में वृद्ध महिला के देहांत हो गया। देहांत के बाद वृद्ध महिला की पोती सुनीता पहाड़िन पर परिवार का सारा जिम्मा उसके सिर पर आ गया। सुनीता पहाड़िन घर के लिए पश्चिम बंगाल धान कटनी के लिए गई हुई थी। दादी सोनी पहाड़िन की तबियत खराब होने की सूचना मिलते ही वापस घर आ गई।

» बच्चों के नहीं है माता पिता

सुनीता पहाड़िन ने बताया कि पिता का करीब पांच वर्ष पूर्व देहांत हो गया था। वहीं मा छोड़ कर दूसरे राज्य काम में चली गयी थी। जिसका संपर्क आज तक नहीं हो पाया है। घर का एक मात्र मुखिया दादी का भी देहांत शानिवार को देर शाम को हो गया।

» तीन नाबालिग बच्चों का आधार कार्ड, नहीं मिल रहा लाभ

बड़ी बहन सुनीता पहाड़िन ने बताया कि घर में दादी सोनी पहाड़िन के नाम से एक सरकारी आवास मिला था। वहीं परिवार का राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है। जिस कारण डाकिया योजना का लाभ नहीं मिल पाता है। वहीं तीन भाइयों का आधार कार्ड भी नहीं है। सभी की देख रेख दादी सोनी पहाड़िन कर रही थी, लेकिन अब वो भी नहीं है। वहीं पिछले पांच वर्षों से खेती नहीं हुआ है।

» घर में कुल पांच परिवार रहते थे

घर में दादी सोनी पहाड़िन (52), पोती सुनीता पहाड़िन (16), कालू पहाड़िया (12), डोमना पहाड़िया (08), टिंकू पहाड़िया(06) है। वहीं दादी सोनी पहाड़िन का देहांत लंबे समय से चल रहे बीमारी के कारण शनिवार की देर शाम को हो गया। वहीं देहांत के बाद घर पर कुल चार नाबालिग बच्चे ही है। दादी के देहांत की खबर सुनते ही घर पर उनके मेहमान घर आये हुए थे।

डुमरचीर पहाड़ गांव निवासी सुनीता पहाड़िन का घर परिवार ने किसी तरह एक ओर मिट्टी से खड़ा किया गया घर है। वहीं दूसरी ओर दादी के नाम से एक सरकारी योजना का आवास बनाया गया है। जिसमें मात्र एक छोटा सा कमरा बनाया गया है। सरकारी आवास में बाहर और अंदर से प्लास्टर नहीं किया गया है। किसी तरह उक्त कमरे में भाई बहन सोते है।

» गांव में नहीं है सड़क और पानी और बिजली की सुविधा

डुमरचीर पहाड़ गांव के पहाड़ पर आदिम जनजाति के तीन पहाड़िया परिवार निवास करते है। पहाड के ऊपर खेती भी किया जाता है। पहाड में जाने के लिए पहाड़ी सड़क है। जिसमें बड़े बड़े पत्थर है। ग्रामीण पैदल चल कर पहाड़ के ऊपर जाते है। जाने वाले रास्ते में बड़े बड़े पत्थर सड़क के बीचों बीच है। जिससे ग्रामीणों को आवागमन करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं पानी के लिए पहाड़ के नीचे एक सरकारी जल मीनार है। जिसमें ग्रामीण नहाने, बर्तन धोने और पानी पीने सहित अन्य कार्यों का उप्योग करते है। वहीं पहाड पर बसे परिवारों के लिए बिजली की कोई व्यवस्था नहीं है। गांव में सूरज ढलते ही अंधेरा हो जाता है.

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने डूमरचीर पहुंचकर अनाथ बच्चों से किया मुलाकात

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव शिल्पा मुर्मू ने अमडापाड़ा प्रखंड के डूमरचीर ग्राम में डूमर चीर ग्राम के चार अनाथ एवं निसहाय बच्चों को के घर जाकर स्वयं सहायता हेतु मुलाकात की। सभी चार अनाथ एवं निसहाय बच्चों के पिता के चार साल पहले मृत्यु हो गई है और बच्चे अपने बूढ़ी दादी के साथ रहते थे उक्त बच्चे की दादी की मृत्यु दो-तीन दिन पहले हो जाने के कारण चारों बच्चे अनाथ एवं निसहाय हो गया है. अमडापाड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी अनाथ बच्चे को कंबल तथा खाना दिया। नालसा एवं झालसा के द्वारा पाए जाने वाले हर वैसे वर्ग के लोगों को सुविधा दिलाने की कोशिश करेंगे उक्त बातें जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव शिल्पा मुर्मू ने कही प्रखंड विकास पदाधिकारी अमडापाड़ा ने कहा कि उक्त सभी अनाथ बच्चे को सरकार द्वारा हर सुविधा मुहैया की जाएगी तथा बच्चों को पढ़ाई के लिए व्यवस्था की जाएगी।

प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं शैक्षणिक भ्रमण के तहत कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गोपीकांदर प्रखंड अंतर्गत प्रखडं बीआरसी परिसर में मंगलवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देशानुसार प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं शैक्षणिक भ्रमण के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शन मॉडल के साथ विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित किया। बता दें कि प्रखंड में विद्यालय स्तर पर कक्षा 6 से 12 वीं की छात्र-छात्राओं के द्वारा विज्ञान प्रदर्शन का कार्यक्रम संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक के उत्तरदायित्व पर आयोजित कार्यक्रम में अपने-अपने मॉडल के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका गोपीकांदर,मध्य विद्यालय ओडमो, उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिलंगी,मध्य विद्यालय गोपीकंदर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुश्चीरा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बिराजपुर,सहित दर्जनों मध्य विद्यालय , हाई स्कूल और प्लस टू के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं अपनी-अपनी मॉडल को विशेषताओं को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के द्वारा गठित मूल्यांकन टीम के सदस्यों जिसमें महबूब आलम,नशीम उजमाल,मुजिद आलम ने बारी-बारी से छात्रों की बनाए गए मॉडल को जांचा और उनकी हमारे समाज पर होने वाले फायदे को देखते हुए मूल्यांकन किया। छात्रों को मूल्यांकन कर उचित नंबर भी दिया गया। जिसमें पहला स्थान किरण दीपा बबीता एवं संतोषी ग्रुप, कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय गोपीकांदर, दूसरा स्थान. सिलवंती ग्रुप यू एच एस सीलंगी, तीसरा स्थान अंश ग्रुप यू. एच. एस. कुश्चीरा चुनी गई। वही प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुरेंद्र हेंब्रम ने कहा कि इस प्रदर्शन में क्रमबद्ध तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय के छात्रों के ग्रुप को शैक्षिक भ्रमण के लिए जिला भेजा जाएगा। मौके बीआरपी परवेज अख्तर, लेखापाल मोरज हेंब्रम, रिसोस शिक्षक विजय मंडल, निरंजन पंडित, मोहनलाल हेंब्रम, शेषनाथ साहा, गोरीकांत प्रसाद, यशोदा पाल, श्रेया कुमारी, शिवकुमार भगत, मोनिका मुर्मू, सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डाकपाल ने बीडीओ को आवेदन देकर किया किसी अन्य भवन में डाकघर को शिफ्ट करने का अनुरोध

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रानीश्वर प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित उप डाकघर का भवन जर्जर हो गया हैं।प्रथम पंचवर्षीय परियोजना के तहत यहां प्रमंडल क्षेत्र में एकमात्र सामुदायिक विकास परियोजना स्थापित हुई थी।उसी समय यहां डाक विभाग की ओर से उप डाकघर बनाया गया था।जिला प्रशासन के द्वारा प्रखंड स्तर से डाकघर के लिये भवन उपलब्ध कराया गया था। 65 सालों से जिस भवन में डाकघर संचालित हो रहा था वह भवन जर्जर हो गया हैं।डाकपाल दिनेश कुमार सुमन ने प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू को आवेदन देकर किसी अन्य भवन में डाकघर को शिफ्ट करने का अनुरोध किया था।बीडीओ ने जिला स्तर के अधिकारी को आवेदन देने का सुझाव दिया हैं । सुमन ने बताया कि डाक विभाग की ओर से जिले के उपायुक्त से पत्राचार किया गया हैं ।इस डाकघर में पोस्टऑफिस सेविंग बैंक के तहत महिने से 70-80 लाख का कारोबार होता हैंइस उप डाकघर के अधीन 14 ग्रामीण डाकघर कार्यरत हैं।उन डाकघरों का भी कारोबार संतोषजनक हैं।यहां लिपिक बिजय कुमार,डाक वितरक प्रेम कुमार एवं पैकर ममता कुमारी दे कार्यरत हैं । प्रतापपुर ग्रामीण डाकघर के डाकपाल राहुल कुमार भी उप डाकघर मे अपनी सेवा देते हैं।जानकर सूत्रों के अनुसार डाकघर को अन्य भवन में शिफ्ट करने से कारोबार में इजाफा होगा।प्रखंड विकास कार्यलय के पुराने भवन एवं उस भवन संलग्न सभा भवन में ताला लटका धूल फांक रहा हैं ।सभा भवन में उप डाकघर संचालित किया जा सकता हैं।

पलाश अजीविकोत्सव सरस मेला में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। स्वाद, संस्कृति, परंपरा, हस्तशिल्प और हुनर के विविध रंगों को अपने अंदर संजोये पलाश अजीविकोत्सव सरस मेला में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पेट्रोल सब्सिडी, धान अधिप्राप्ति, डाकिया योजना एवं धोती साड़ी योजना से संबंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसके बाद चित्रकला पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेले के कार्यक्रम में खास आकर्षण महिला एवं बाल विकास अंतर्गत प्रबुद्ध नागरिकों के साथ परिचर्चा का आयोजन पर रहा। जिसमें अतिथियों द्वारा महिलाओं के लिए सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा महिलाओं के समस्याओं के समाधान के बारे में बताया गया।हमारे देश के हर राज्य के स्वदेशी उत्पाद, संस्कृति और परंपरा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह मेला सार्थक साबित होता दिख रहा है। सरस मेला में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं और शिल्पकारों की ओर से निर्मित उत्पाद, हस्त शिल्प और लोक कलाकृतियों की प्रदर्शनी सह बिक्री हो रही है। इसके साथ ही फूड जोन में देशी और पारंपरिक व्यंजनों के विभिन्न स्टॉल और जीविका दीदियों द्वारा संचालित दीदी की रसोई के स्टॉल भी लोगो को खूब भा रहे है। वहीं बच्चों के लिए फन जोन खास आकर्षण है। मुख्य सांस्कृतिक मंच पर प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत लोकगीत और लोकनृत्य आयोजित हो रहा है। प्रतिदिन विभिन्न विभागों, संस्थानों की ओर से विभिन्न विषयों पर आधारित सेमिनार, परिचर्चा का आयोजन सेमिनार कक्ष में आयोजित हो रहा है। समसामयिक मुद्दों, विभिन्न योजनाओं और जन जागरूकता अभियानों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रतिदिन विभिन्न रंग संस्थानों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

3 महीनों में 300 राशन कार्ड सरेन्डर

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखण्ड विकास पदाधिकारी -सह- प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, दुमका द्वारा दुमका प्रखण्ड अन्तर्गत तथा दुमका नगर क्षेत्र अन्तर्गत सभी जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को यह निदेशित किया गया है कि ऐसे राशन कार्डधारियों की सूची उपलब्ध कराये जो सुखी सम्पन्न एवं सक्षम परिवार से आते हो, जिनका विवाह हो चुका है, जिनका मृत्यु हो गया और जिनका नाम दो अलग-अलग राशन कार्ड में दर्ज है। विदित हो कि सुखी सम्पन्न परिवारों, चार पहिया वाहन मालिकों आदि के द्वारा राशन कार्ड रखने की शिकायत प्राप्त होते रखता है, जिसपर अभी तक कई कारवाईयाँ भी की गयी है । जिसके चलते पिछले तीन महीनों में लगभग 300 से अधिक कार्डधारियों ने अपने - अपने कार्ड को सरेन्डर कर दिया गया है। इस संबंध में यदि जन वितरण प्रणाली दुकानदारों द्वारा आवशयक कारवाई नहीं करने पर उनके जन वितरण प्रणाली दुकानों के अनुज्ञाप्ति को रद्द करने की अनुशंसा कर दिया जायेगा।

25 दिसंबर को आयोजित होने वाले नि:शुल्क कम्बल वितरण शिविर की रुपरेखा तैयार

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मंगलवार को सेवार्थ की एक अहम बैठक सेवार्थ के वारिष्ठ संरक्षक प्रो रामनन्दन सिंह के आवास पर उनके ही अध्यक्षता में आयोजित की गई।25 दिसंबर को आयोजित होने वाले निःशुल्क कम्बल वितरण शिविर को लेकर आयोजित इस बैठक में कार्यक्रम की रुपरेखा तय करते हुए सेवार्थ के अध्यक्ष पवन कुमार टमकोरिया ने कहा कि कम्बल वितरण हेतु पूर्व में ही कूपन वितरण कि व्यवस्था की जाएगी ताकि भीड़ में अव्यवस्था का माहौल न फैले। वहीं निःशुल्क कम्बल वितरण शिविर हेतु अलग अलग सदस्यों को अलग अलग जिम्मेवारी सौपी गई। जिसमे अभिषेक सूर्य को उद्घोषक, रूबी द्वारी झा को कम्बल कस्टोडियन के साथ गौतम वर्मन, अजित कुमार पाहुजा इत्यादि को अलग अलग जिम्मेवारी सौंपी गई।मौके पर उपरोक्त के अलावा प्रमेश कुमार वर्मा, पल्लवी झा, बिट्टू इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ओटो एवं मैजीक में टक्कर ओटो सवार एक महिला घायल

सारवां/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। संवादाता सारवां प्रखंड क्षेत्र के मनीगडी के पास ओटो एवं मैजीक में टक्कर हो गई, जिससे ओटो सवार एक महिला घायल हो गई। घायल महिला सोनारायठाडी प्रखंड क्षेत्र के सहिया साथी सूर्य मनी टुडु है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी चिरंजीव कुमार और घायल महिला को सारवां उप स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां पर घायल महिला को उपचार किया गया।

भारत जोड़ो यात्राः कांग्रेस के प्रदेश सचिव फैयाज कैसर के नेतृत्व में सैकड़ों लोग देवघर रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। शहर के पनाह कोला से झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सचिव फैयाज कैसर के नेतृत्व में मंगलवार को देवघर में भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सैकड़ों कार्यकर्ता देवघर के लिए हुए रवाना ।इस कार्यक्रम में पुरुष एवं महिलाएं सक्रिय कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़×कर हिस्सा लिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फैयाज कैसर ने कहा राहुल गांधी के द्वारा देश में भारत जोड़ो यात्रा निकाला गया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली यात्रा में कई लोग शामिल हो रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य देश के लोगों को ताकतवर बनाने के अलावा संविधान और लोकतंत्र को बचाने यात्रा को मिल रही अपार सफलता से झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नेता भी काफी प्रफुल्लित है। पार्टी द्वारा झारखंड में भी भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को मधुपुर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सचिव फैयाज केसर के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने बाइक और कार के द्वारा देवघर के लिए रवाना हुए ।वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक कुमार वर्मा ने कहा भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से किसानों , मजदूरों और वंचितों को यह संदेश देते हुए कहा की केन्द्र के वर्तमान सरकार के जन विरोधी नीति से मंहगाई , बरोजगारी से लोग परेशान है। इसी को लेकर यह यात्रा देवघर से यात्रा निकलेगी। देवघर में यह यात्रा स्थानीय शहीद आश्रम से विभिन्न चौक चौराहों से गुजरते हुए बाबा भीमराव अंबेडकर चौक पहुंचेगी और सभी यात्रा में शामिल नेताओं ने शहीद हुए लोगों और महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और यात्रा को सफल बनाना है।

मौके पर कांग्रेस के मधुपुर विधानसभा अध्यक्ष राहुल सिंह, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष नसीम हुसैन एनएसयूआई के मोहम्मद अमजद खान, मोहम्मद असलम साह, इमरान खान, मुशर्रफ हुसैन, आदिल शेख, अरहान खान, अलाउद्दीन मास्टर, दीपा कुमारी, सुहानी कुमारी,जाहिद, मोहम्मद सद्दाम, शफीक अंसारी, आबिद अंसारी,रंजीत, मोहम्मद अजमत,मोहम्मदअकबर,आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे!

अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के संचालन हेतु बैठक आयोजित

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मधुपुर नगर परिषद कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी आशीष अग्रवाल मधुपुर की अध्यक्षता में नगर परिषद कार्यालय में अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के संचालन हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंशु कुमारी कार्यपालक पदाधिकारी प्रशिक्षु, डॉ. साहिद, उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल मधुपुर विधु विनोद, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी देवघर, सुनील त्रिपाठी, जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक, बृजेश कुमार जिला लेखा प्रबंधक, प्रकाश मिश्रा नगर प्रबंधक, विजय कुमार नगर मिशन प्रबंधक, नगर परिषद मधुपुर आदि उपस्थित रहे।नेशनल हेल्थ मिशन के द्वारा मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र में दो अर्बन हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर 1. लालगढ वार्ड विकास केंद्र वार्ड नंबर 10, 2. चांदमारी वार्ड विकास केंद्र वार्ड नंबर 7 स्वीकृत है। जिस का संचालन अति शीघ्र किए जाने पर जोर दिया गया। बैठक में लंबित कार्यों को अतिशीघ्र करते हुए हेल्थ सेंटर का संचालन करना है । वर्तमान में नगर क्षेत्र में स्वास्थ्य इंफ्रा काफी कमजोर है जिसे देखते हुए भविष्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालन पर जोड़ दिया गया है!

आरजेडी ने की खतियानी जोहार यात्रा को सफल बनाने पर चर्चा

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मंगलवार को आवासीय कार्यालय जटाही देवघर में राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष डॉ0 फनी भूषण यादव की अध्यक्षता में पूर्व मंत्री सुरेश पासवान की उपस्थिति में बैठक किया गया।यह बैठक आगामी 16 दिसंबर को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा शुरू किये गये खतीयानी जोहार यात्रा को सफल बनाने हेतु किया गया। जिसमें पार्टी के सभी प्रकोष्टो के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मजबूती से कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रूप रेखा तैयार किया गया। साथ ही साथ पार्टी में महिला मोर्चा ममता मिश्रा को जिला अध्यक्ष,वही पुरुषोत्तम यादव,जिला सचिव,दिलीप यादव जिला सचिव (युवा) एवं विनिता को महानगर महिला मोर्चा का उपाध्यक्ष का मनोनियन पत्र सौपा गया। इस बैठक में मुख्य रूप से हैदर अली खाँ, सुरेश यादव, विनोद यादव, पिन्टू यादव, फाल्गुनी यादव, मो० साहिद सौ, मो० जमीर, अलताफ हुसैन, सुरज कुमार, महादेव यादव, विष्णु यादव, गुलशन तारा,मुरली देवी, राजकुमार गुप्ता, लालमोहन मांझी, कामदेव दास के अलावे सेकड़ो कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी ने भाग लिया।

भारत जोड़ो यात्रा में एनएसयूआई संयुक्त रूप से शामिल हुए

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा देवघर में शहीद आश्रम से लेकर टावर चौक, वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए अंबेडकर चौक तक निकाला गया भारत जोड़ो यात्रा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, सूबे के मंत्री श्री बादल पत्रलेख, पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव, महागामा विधायक दीपिका पांडे, सिंह पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, पूर्व मंत्री कृष्णानंद झा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुल्तान अहमद, 20 सूत्री के उपाध्यक्ष मुन्नम संजय, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आमिर हाशमी, देवघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय प्रकाश उपस्थित थे। मौके पर झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने संबोधन करते हुए कहा राहुल गांधी जी के द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक चलाया जा रहा है भारत जोड़ो यात्रा के विषय में जानकारी दी गई तथा यात्रा के समर्थन में हर जिला में पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। वही कृषि मंत्री ने संबोधन करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नाकामयाबी से देश में बेरोजगारी, महंगाई,भ्रष्टाचारी, निजीकरण बढ़ गई है, जिससे छात्र, युवा आमजन हताशा परेशान है। केंद्र सरकार के खिलाफ जनता को एक जुट करने के लिए राहुल गांधी जी के नेतृत्व में चल रहे भारत जोड़ो यात्रा के बारे में बताया। मौके पर उपस्थित एनएसयूआई जिलाध्यक्ष नसीम हुसैन, कार्यकारी अध्यक्ष अमजद खान, विवि अध्यक्ष रवि वर्मा, प्रखंड अध्यक्ष अटल मिश्रा, नगर अध्यक्ष प्रियांशु कुमार, उपाध्यक्ष गौरव सिंह, एनएसयूआई के अश्विनी सिंह, एनएसयूआई के राजीव कुमार, एनएसयूआई मेडिया प्रभारी अमजद हुसैन, कॉलेज सचिव अनीस खान, विवि सैफ दानिश, सुनील यादव, पिंटू यादव, अजय कुमार, रेयान, मुख्तार, शादाब मल्लिक, एनएसयूआई के मज़हर अंसारी, फुरकान, अरशद अंसारी, करीम अंसारी, अमजद आंसारी, शाहरुख, शादाब मल्लिक, आसिफ अंसारी, सारिक, सूरज हांसदा, सुनील हेंब्रम, लोबिन हेम्ब्रम, हिमांशु रंजन, राहुल राज, अमरेंद्र राज, सौरव दुबे, रोहित अनीस राज आती सेकड़ो छात्र उपस्थित थे!

सबकी योजना सबका विकास के लिए अंतर्गत दिया गया दूसरे दिन का प्रशिक्षण

झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि/पाकुड़। सूचना भवन सभागार में सबकी योजना सबका विकास अभियान 2023-24 के निमित प्रखंड संसाधन दल के तीन दिवसीय प्रशिक्षण के अंतर्गत आज दूसरे दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर प्रशिक्षकों ने सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक (पंचायती राज), सभी बीपीएम (जेएसएलपीएस) सभी प्रखंड के बीपीओ (मनरेगा), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रखंड समन्वयक को प्रशिक्षित किया गया। जिला स्तरीय संसाधन दल के सदस्य श्री विवेक कुमार, मैनेजर, जेएसएलपीएस द्वारा पीपीटी के माध्यम से गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका गाँव के निर्माण हेतु आवशयक योजनाओं के चयन करने हेतु विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। वहीं इमरान आलम, ज़िला समन्वयक, एक्ळ, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा चलचित्र के माध्यम से ग्रामों में योजनाओं क्रियान्वयन में होने वाली कठिनाई एवं निराकरण के बारे में बताया गया। मास्टर ट्रेनर डॉली साह एवं आनंद प्रकाश द्वारा पीपीटी के माध्यम से 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा एवं समेकित एवं समावेशी ग्राम पंचायत विकास योजना हेतु अभिसरण,छरऊ्र्रू के लिए अभिसरण के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत राज पदाधिकारी महेश कुमार, ज़िला परियोजना प्रबंधक (ईङ्ग पंचायत) रितेश श्रीवास्तव, ज़िला एवं प्रखण्ड संसाधन दल के सदस्य उपस्थित थे।

क्षणिकाएँ

डर

1.
वो,
आजकल
बहुत ज्यादा,
अपने रिश्तों से,
सिमटने लगे है,
नाम अपने बची,
संपतियों को भी,
छुपाने लगे है;
शायद तब से,
जब से ,
कपूत,
लांघ मर्यादाओं की सीमा ,
माँ- बाप को,
वैसे ही
तोड़ विश्वासों को,
पति पत्नी को,
पत्नी पति को,
जान से मारने की,
वारदातें बढ़ने लगी है,
दिल दहलाने की,
अप्रत्याशित व विभत्स घटनाएं,
अलग - बलग घटने लगी है।

वेवफाइ

2.
वो,
जन सेवा के बहाने,
खुद के स्वार्थ सिद्धि को,
इस कदर,
मकड़जाल बुनते है,
कि,
लोग!
न चाहते हुए,
बातों में ,
इरादों में,
उसके आ जाते है,
संभवतः
अपनी चेतन - अचेतन,
उम्मीदों की चाह में
वोट दे आते है,
पर,
होता यथार्थ न देख,
उसका
गिरगिट- सा रंग बदलता देख,
सर अपना पीट लेते है,
आक्रोश में आ,
रिश्तों को तोड़ देते है।

अंधविश्वास

3.
वो,
कहते है कि,
अंधविश्वास को बढ़ाती,
चँगाई सभाओं पर,
रोक लगे,
बात अगर यह
सच है,
सार्थक है,
जन हितार्थ है,
तो,
प्रक्रिया में देरी कैसी ?
सवाल यह भी,
कि
यहाँ कोई,
अचेतन इरादें तो प्रबल नहीं,
हितार्थ है या
कोई राजनयिक स्वार्थ ?

प्रस्तुति

डॉ विनोद कुमार शर्मा
विभागाध्यक्ष,
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
सिकामु विवि, दुमका।

जरमुंडी में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो घायल, रेफर

पहली घटना सहारा रायकिनारी सड़क मार्ग में तथा दूसरी जरमुंडी- कैराबनी सड़क मार्ग में हुई

झारखंड देखो./प्रतिनिधि।

बासुकीनाथ। जरमुंडी प्रखंड के तालझारी एवं जरमुंडी थाना क्षेत्र में मंगलवार को घटित दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो बाईक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल बाईक सवार युवकों को जरमुंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस की मदद से बेहतर इलाज के लिए दुमका रेफर कर दिया गया है। पहली सड़क दुर्घटना जरमुंडी प्रखंड के तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत रायकिनारी गांव के समीप की है। रायकिनारी के समीप एक तीखे मोड़ पर बाईक अनियंत्रित होने से 35 वर्षीय सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बाईक सवार का नाम राजेश पंडित पिता लोचन पंडित बासुकीनाथ नगर पंचायत अंतर्गत ग्राम अंबा निवासी बताया जाता है। सड़क दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से घायल को इलाज के लिए सीएचसी भेजा। दूसरी सड़क दुर्घटना जरमुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिपुर-कैराबनी रोड की है। जरमुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत मांछीटांड़ मोड़ के पास तेज गति से आ रहा एक 28 वर्षीय बाईक सवार अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बाईक सवार की पहचान बाराटांड़ निवासी अमीर टुडू पिता स्व.शीतल टुडू के रूप में की गई। हादसे के बाद सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन मंडल को घटना से अवगत कराया गया । जिसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता ने मदद की। गंभीर रूप से घायल आमिर टुडू के सिर में गंभीर चोट लगी है। जरमुंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर ओपीडी में मौजूद डॉक्टर गुफरान और चिकित्सा कर्मियों द्वारा घायल अमीर टुडू की प्राथमिक चिकित्सा की गई तथा घायल की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर चिकित्सा हेतु दुमका रेफर कर दिया। सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा से संपर्क कर नोनीहाट से एंबुलेंस वाहन मंगाने में सहायता की तथा गंभीर हालत में घायल युवक को दुमका भेजा।

2025 का विधानसभा सभा चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा : नीतीश कुमार

जदयू, राजद कांग्रेस, लेफ्ट विधायक और एमएलसी की मौजूदगी में नीतीश ने किया ऐलान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक बड़ा ऐलान किया है। राजधानी पटना में महागठबंधन विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार ने कहा कि 2025 का विधानसभा सभा चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। नीतीश के इस बयान का मतलब है कि बिहार में अगले विधानसभा चुनाव में तेजस्वी महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री के उम्मीदवार होंगे। इस समय बिहार में राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी है, तेजस्वी यादव इसके सर्वमान्य नेता हैं। लालू यादव की बढ़ती उम्र और बिगड़ती सेहत के साथ-साथ तेजस्वी बिहार और राजद की राजनीति पर हावी हो रहे हैं। आज नीतीश कुमार के इस ऐलान ने तेजस्वी की सियासत के भावी रास्तों को और स्पष्ट कर दिया है। तेजस्वी की ताजपोशी के एलान से राजद कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। नीतीश कुमार ने पटना में आयोजित महागठबंधन विधायक दल की बैठक में तेजस्वी को लेकर स्पष्ट बयान दिया कि 2025 विधानसभा का चुनाव उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। नीतीश ने जिस बैठक में यह ऐलान किया उसमें जदयू, राजद कांग्रेस, लेफ्ट की सभी पार्टियों के विधायक और एमएलसी मौजूद थे। यह बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। नीतीश के इस ऐलान के साथ राजद सहित महाठगबंधन के अन्य दलों ने खुशी जताई है।

संक्षिप्त समाचार

मोहनपुर पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मोहनपुर पुलिस के द्वारा वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।वारंटी अभियुक्त अरुण कुमार दास पिता सतन दास सतन दास पिता स्वर्ग कटकी दास दोनों ग्राम भंगिया पहाड़ी थाना मोहनपुर जिला देवघर को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, वारंटी अभियुक्त सलीम शेख पिता शराफत शेख ग्राम निजबगरा थाना मोहनपुर जिला देवघर को गिरफ्तार कर जेल भेजा काफी दिनों से फरार चल रहे अभी को पुलिस रात्रि के दौरान छापेमारी किया गया जिसमें तीनों को गिरफ्तार कर थाना लाये जिसके बाद न्यायिक हिरासत के लिए भेजा गया।

मारवाड़ी सम्मेलन झारखंड प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष का हुआ स्वागत

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मारवाड़ी सम्मेलन झारखंड प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत मित्तल का आगमन देवघर के मैहर गार्डन मैं हुआ उनके साथ विनय सरावगी एवं रवि शर्मा भी थे।

मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन देवघर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण वहां पहुंचकर प्रांतीय अध्यक्ष का अंग वस्त्र एवं फूल माला देकर स्वागत किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने प्रमंडलीय उपाध्यक्ष शिव सर्राफ का अंग वस्त्र एवं शॉल ओढ़ा कर स्वागत किया साथ ही साथ समाज के विकास पर चर्चा की और समाज को आगे बढ़ाने के लिए कई दिशा निर्देश दिये। इस कार्यक्रम में विमल खेतान, अशोक सराफ एवं कई पदाधिकारी गण मौजूद थे।

पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करने के आरोप में पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अवैध बालू से लदा एक ट्रैक्टर को जबरन पुलिस से छुड़ाने के प्रयास में बुढ़ैई पुलिस ने ट्रैक्टर चालक समेत पांच बालू धंधेबाज पर एकमत होकर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने तथा पुलिस बल और पदाधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की कर जख्मी करने की प्राथमिकी थाने में दर्ज कराई है । पुलिस ने मामले में ट्रैक्टर चालक जरियातांड़ गांव निवासी सचिन कुमार यादव, पटवाबाद गांव का बाबू मियां और महबूब खान, मधुपुर के डंगालपड़ा निवासी सूरज यादव और पनाहकोला के पप्पू उर्फ मोहम्मद शमीम को आरोपित बनाया है । पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई में टैक्टर चालक जरियाटाड़ गांव निवासी सचिन कुमार यादव और एक प्राथमिकी अभियुक्त पटवाबाद गांव निवासी महबूब खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया है। प्राथमिकी में कहा है कि सिकटिया मुख्य सड़क पर वाहन चेकिंग लगाया था । चेकिंग के दौरान अवैध बालू लगा एक ट्रैक्टर पकड़ाया था। इन आरोपित के द्वारा जबरन पुलिस से ट्रैक्टर छुड़ाने का प्रयास किया गया ।दबंगता पूर्वक ट्रैक्टर से बालू गिराने का भी कोशिश की गई । पुलिस के साथ हाथापाई भी हुई । सूचना पर अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे इसके पहले ही तीन आरोपित वहां से भाग निकले!

एक दिवसीय कुष्ठ नियंत्रण प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवीपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवीपुर स्थित सभागार में सहिया और सहिया साथी को एक दिवसीय कुष्ठ नियंत्रण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर प्रशिक्षण दिया गया।जिसकी अध्यक्षता फिजियो थैरेपिस्ट डा0 श्वेता बाला ने किया।कुष्ठ रोग की पहचान के बारे में बताया गया कि कुष्ठ रोग एक क्रोनिक बीमारी है।जोकि जीवाणु माइक्रोबैक्टेरियम लेप्री के कारण होता है।यह मुख्य रूप से हाथ पांव,त्वचा,नाक की परत, उपरी श्वसन पथ की नसों को प्रभावित करता है।शरीर पर कहीं सूनापन हो तो अस्पताल में आकर तुरंत जांच कराना चाहिए। समय पर इलाज नहीं होने पर पीड़ित को गंभीर विकृति और विकलांगता का सामना करना पड़ सकता है।सभी सहिया और सहिया साथी को फिलिप बुक दिया गया। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर कुमार अभय प्रसाद, बीपीएम राजकुमार, एनएमए विश्वर राम, पीएमडब्लू भागीरथ प्रमाणिक, सहिया साथी शकुंतला, खुर्शेदा, बसंती देवी, संगीता देवी,ललिता देवी, मालती देवी, सुनीता पांडेय,अबरून बीबी,उषा देवी, राजू देवी,पार्वती देवी,मीना देवी,सही बीबी,ज्योति देवी,मरियम बीबी,रीना देवी,पूनम देवी,माधुरी देवी,तेजनी देवी,खुबनी देवी,उर्मिला देवी समेत सैंकड़ों की संख्या में सहिया और सहिया साथी मौजूद थे।

विद्युत आपूर्ति बाधित रहने के कारण एम्स का कार्य ठप्प

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

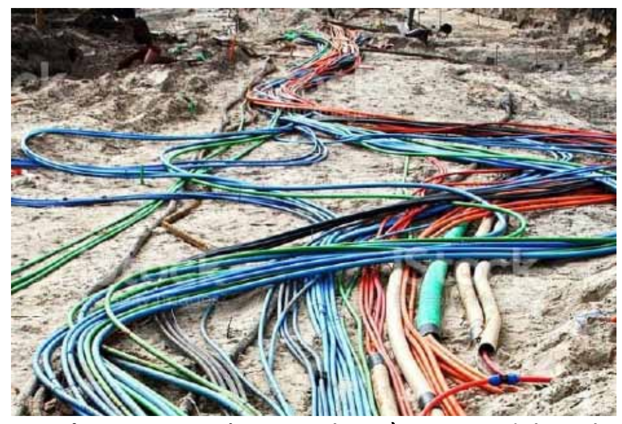

देवीपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान देवीपुर देवघर में मंगलवार को चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।इस कारण रजिस्ट्रेशन से लेकर,पैथोलॉजी, बैंकिंग समेत भवन निर्माण का विद्युत आधारित सभी काम ठप्प हो गया।सहायक विद्युत आपूर्ति विभाग के सहायक अभियंता राजकिशोर चौधरी और कनीय विधुत अभियंता दुर्गेश नंदन सहाय के प्रयास के बाद दूसरा सर्किट से चार घंटे बाद बिजली आपूर्ति बहाल हो पायी है।घटना के बारे में जानकारी देते हुए कनीय अभियंता दुर्गेश नंदन सहाय ने बताया कि रोहिणी गांव के एक व्यक्ति द्वारा जमीन समतलीकरण के क्रम में एम्स को आपूर्ति की जाने वाली अंडरग्राउंड 11 केबी लाईन को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।जिस कारण एम्स में बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई। दूसरे रूट से एम्स को बिजली दी जा रही है।क्षतिग्रस्त बिजली का तार अबतक ठीक नहीं हो पाई है।इस सम्बन्ध में रोहिणी के एक व्यक्ति पर बिजली का तार क्षतिग्रस्त करने पर 5 लाख रूपए का नुकसान पहुंचाने पर जसीडीह थाना में कनीय विधुत अभियंता दुर्गेश नंदन सहाय के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है।

जरमुंडी बीडीओ ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया

आवास योजना सहित सभी लंबित योजनाओं को अविलंब पूरा करें: बीडीओ

- **जरमुंडी बीडीओ ने प्रखंड क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बासुकीनाथ। जरमुंडी प्रखंड के बीडीओ फुलेश्वर मुर्मू ने मंगलवार को क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती गांव में घूम- घूम कर विकास योजनाओं का बारीकियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कूप निर्माण, पीएम आवास योजना, जल मीनार, पशु शेड, मनरेगा के कूप निर्माण, बागवानी, डोभा आदि के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर मौजूद कनीय अभियंता, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, पीएम आवास कोऑर्डिनेटर आदि को अधूरे विकास योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण कराने का आदेश दिया। पूर्ण हो चुके विकास योजनाओं के अभिलेख को बंद करने का निर्देश दिया। बीडीओ श्री मुर्मू ने बताया कि राशि भुगतान के बावजूद पीएम आवास योजना के जिन लाभुकों ने कार्य पुरा नहीं किया है, उन्हें अविलंब कार्य को पूर्ण करने का सख्त हिदायत दी गई। निरीक्षण के दौरान जेई व रोजगार सेवक को आदेश दिया कि जो भी मनरेगा योजना निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उसका एमबी बुक कर पूर्ण भुगतान करवाना सुनिश्चित करें। वहीं अधूरे बने कूप को भी यथाशीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। वहीं गांवों में बना रहे जलमीनार कार्य की गुणवत्ता जांच करने के बाद ही भुगतान किए जाने की बात कही। इस मौके पर भोडाबाद, पुतलीडाबर, खरबिल्ला पंचायत सहित अन्य पंचायत क्षेत्र में अधूरे पड़े आवास निर्माण कार्य को लेकर संबंधित लाभुकों को यथाशीघ्र आवास निर्माण कार्य को पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया। इस मौके पर पंचायत जनप्रतिनिधि, बीपीओ कन्हैयालाल झा, प्रभावती संगीता सोरेन, मो. अख्तर, जेई, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक व अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने तीन दिवसीय मुख्यमंत्री फुटबॉल आमंत्रण प्रतियोगिता 2022-23 का किया शुभारंभ किया

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गिरिडीह स्टेडियम से उपायुक्त, नमन प्रियेश लकड़ा ने तीन दिवसीय मुख्यमंत्री फुटबॉल आमंत्रण प्रतियोगिता (बालक व बालिका) 2022-23 का विधिवत शुभारंभ किया। यह प्रतियोगिता 15 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। गिरिडीह स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल आमंत्रण प्रतियोगिता में गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों के विजेता टीमों ने भाग लिया है। मौके पर अपर समाहर्ता, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मी तथा विजेता टीमों के खिलाड़ी उपस्थित थे।

फुटबॉल टूर्नामेंट उद्घाटन के मौके पर उपस्थित उपायुक्त, नमन प्रियेश लकड़ा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी खिलाड़ी खेल को खेल भावना से खेलते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप कराने का सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि पंचायत से प्रखंड, प्रखंड से जिला तक बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चयनित कर राज्य से देश तक खेलने का अवसर प्रदान करेगी। आप सभी को अपने प्रतिभा निखारने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न प्रकार के खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि नौजवानों में खेल के प्रति रुचि जागरूकता का आभाव न हो।इसके अलावा प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन जिले में प्रतिभावान खिलाड़ियों को हर संभव मदद पहुंचाने एवं उन्हें खेल के दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

वैक्सीन -प्रिवेंटिवल डिजीज विषय पर कार्यशाला आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। आई एम ए भवन देवघर में एक डब्ल्यूएचओ के द्वारा वैक्सीन -प्रिवेंटिवल डिजीज के ऊपर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिनमें आई एम ए प्रेसिडेंट डॉक्टर डी तिवारी. डॉक्टर एसपी प्रसाद आई एम ए सेक्रेटरी डॉक्टर गौरी शंकर, एन सी गांधी आईपीए प्रेसिडेंट डॉक्टर रमन. मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी देवघर डॉक्टर जुगल किशोर चौधरी. ए सी एम ओ डॉक्टर सीके साहि, आरसीएच पदाधिकारी देवघर डॉक्टर आलोक कुमार सिंह. डीपीएम देवघर नीरज भगत. यूएचएम देवघर सुनील मणि त्रिपाठी. डीपीसी देवघर प्रवीण सिंह, डीडीएम देवघर मुकेश सिंह, सभी एम ओ आई सी की उपस्थिति मे एक कार्यशाला की गई। जिसमे डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि एस एम ओ डॉक्टर ध्रुव महाजन द्वारा मीजल्स रूबेला के बारे में तकनीकी एवं सहायक विस्तृत जानकारी दी गई, एवं लक्ष्य रखा गया है कि 2023 में इसकी एलिमेशन करने में सहायक भूमिका अपनाया जाए।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा आयोजित कार्यशाला में दी गई विभिन्न जानकारी

झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि/पाकुड़। प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड लिट्टीपाड़ा स्थित सभागार कक्ष में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस बैठक में जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को लेकर सभी मुखिया, पंचायत सचिव, जल सहिया, प्रखंड समन्वयक आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। आवंटन के विरुद्ध व्यय की समीक्षा की गई। सभी पंचायत को ओडीएफ प्लस से आच्छादित करने की जानकारी दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य इसके मुख्य घटकों के बारे में जागरूकता पैदा करना, ओडीएफ प्लस के पहलों में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत बनाना सहित सही जानकारी और बेहतर समझ के आधार पर निर्णय लेने के लिए व्यक्तियों और परिवारों को सशक्त बनाना ही इसका उद्देश्य है। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी ग्राम एवं पंचायत के क्षेत्र में शोकपीट, कंपोस्ट पीट, नाडेप, गोवर्धन की व्यक्तिगत एवं सामुहिक योजना का कार्यान्वयन की चर्चा करते हुए कई दिशा निर्देश दिया गया। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता का शपथ दिलाई गई। इस बैठक सह कार्यशाला में में सभी पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, जल सहिया, बीपीओ मानिक दास, बीपीआरओ के सी दास, पीएचडी के कनीय अभियंता जेम्स मुर्मू, पीएचडी के प्रखंड समन्वयक विजय ठाकुर उपस्थित थे।

नई चेतना, पहल बदलाव की जागरूकता अभियान का हुआ शुरूआत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को कार्यपालक पदाधिकारी मधुपुर नगर परिषद अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर के द्वारा प्रधानमंत्री आवास एवं द्वारा संयुक्त रूप से सभा का आयोजन किया गया। नई चेतना, पहल बदलाव की एवं आजादी के अमृत महोत्सव पर के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं जिन्हें प्रधानमंत्री आवास का भी लाभ मिला हो उन्हें संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।बैठक का आरंभ कार्य पालक पदाधिकारी के अभिभाषण से हुआ। बैठक में उपस्थित महिलाओं के बीच नई चेतना ,पहल बदलाव की कार्यक्रम के तहत जागरूकता हेतु नगर मिशन प्रबंधन के द्वारा महिलाओं पर हो रहे हैं घरेलू हिंसा को लेकर जागरूक होने एवं उनका विरोध करने पर जोर दिया गया। स्वयं सहायता समूह के क्षेत्रीय संघ में एक सामाजिक कमेटी बनाकर महिलाओं के प्रति हो रहे हैं घरेलू हिंसा का निवारण एवं उचित मंच पर आवाज उठाने पर जोर दिया गया। क्षेत्रीय संघ का यह दायित्व है कि समाज में उपस्थित हर कुरीतियों को दूर करने के उद्देश्य से हर साल दिसंबर माह के दौरान क्षेत्र की रैली ,कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा कार्यक्रम के तहत ऋण लेकर व्यापार करने एवं अब अपनी आजीविका को बढ़ावा देने पर कार्यपालक पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर के द्वारा महिलाओं की सराहना की गई। साथ ही अन्य महिलाओं की शिकायत भी सुने जिसे जल्द से जल्द निवारण करने हेतु पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया। बैठक में सुश्री अंशु कुमारी कार्यपालक पदाधिकारी (प्रशिक्षु), नगर प्रबंधक प्रकाश मिश्रा, नगर मिशन प्रबंधक विजय कुमार, कम्युनिटी ऑर्गेनाइजेशन सोनू चौधरी, डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रभाकर चौधरी राजीव रंजन ,संजय कुमार सिंह , मनीष कुमार रावत ,विकास कुमार पीएमसी, नीलम देवी ,निखत परवीन, सोनी कुमारी, संगीता देवी ,शहनाज परवीन ,संगीता कुमारी ,शबाना प्रवीण, बसंती देवी सामुदायिक संसाधन सेवी एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं आदि उपस्थित रहे!

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सत्ता और चुनौतियां

वहां चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद जिस तरह से मुख्यमंत्री पद के लिए जोर आजमाइश शुरू हो गई थी, उससे लगा था कि पार्टी में दरार आ सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे थे। धमकियां भी दी जाने लगी थीं कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, तो उनके समर्थक विधायक पार्टी छोड़ने का फैसला कर सकते हैं।

मगर इसमें कई तकनीकी, व्यावहारिक और रणनीतिक दिक्कतें थीं। पहली बात तो यह कि वे विधायक नहीं हैं, मंडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का मतलब था कि एक संसदीय सीट और एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने पड़ते। फिर सरकार चलाने के लिए केवल विरासत काम नहीं आती, उसके लिए नेतृत्व का गुण और सबको साथ लेकर चलने का कौशल भी होना चाहिए। दूसरी दावेदारी वहां के वरिष्ठ नेता मुकेश अग्निहोत्री की भी चल रही थी। मगर पार्टी आलाकमान ने बहुत सलीके से इस पेचीदगी को सुलझाया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप कर संतुलन साधने का प्रयास किया।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की दावेदारी अच्छी बात है। मगर आजकल जिस तरह भारतीय राजनीति का मिजाज बदलता गया है, उसमें इस तरह राजनेताओं की जोर आजमाइश को पार्टी में अनुशासन की कमी माना जाने लगा है। इसका फायदा प्रतिद्वंद्वी पार्टियां उठाती देखी जाती हैं। इसलिए हिमाचल में मुख्यमंत्री पद को लेकर चले संघर्ष से स्वाभाविक ही पार्टी में टूट और बिखराव की आशंकाएं पैदा हुईं।

हालांकि वहां लोकतंत्र के लिए एक अच्छी मिसाल यह भी देखी गई कि विधायकों ने खुद हिमाचल से बाहर जाकर नहीं, बल्कि वहीं रह कर मामले को निपटाने पर जोर दिया और केंद्रीय नेतृत्व पर भरोसा जताया। शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं ने साथ मिल कर हिमाचल की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प दोहराया। हालांकि वहां के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री में राजनीतिक तालमेल का अभाव और वर्चस्व की लड़ाई कभी देखी नहीं गई, जिसके आधार पर आने वाले दिनों में किसी तरह की आशंका जताई जा सके। उपमुख्यमंत्री पद वीरभद्र सिंह के करीबी रहे मुकेश अग्निहोत्री को देकर एक तरह प्रतिभा सिंह को भी संतुष्ट किया गया है। मगर राजनीति में चुनौतियां कभी खत्म नहीं होतीं।

हिमाचल की नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी उन वादों को पूरा करना, जो चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने किए थे। पुरानी पेंशन योजना लागू करना, फल उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, उनकी उपज की वाजिब कीमत दिलाना और नई नौकरियां देना बड़ी चुनौती हैं। जिन राज्यों का मिजाज बारी-बारी से सरकार बदलने का होता है, वहां सरकारों के सामने बेहतर प्रदर्शन की चुनौतियां हमेशा बनी रहती हैं।

ऐसे में चुनाव के वक्त कांग्रेस ने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा नहीं किया गया, तो विरोध के स्वर फूटने शुरू हो जाएंगे। पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा पूरा करने के लिए सबसे पहले सरकार को आवश्यक धन की व्यवस्था करनी होगी। फिर नए रोजगार का सृजन बड़ी चुनौती है। उसके लिए निवेश को बढ़ावा देना होगा, जो आसान काम नहीं है। हालांकि सुखविंदर सिंह सुक्खू अनुभवी और संतुलित नेता हैं, मगर उनकी असली कसौटी इन वादों पर खरा उतरने की है।

हिंदी विरोध की राजनीति कैसे हो खत्म

कुछ समय से पूरे देश में केंद्र सरकार द्वारा हिंदी थोपे जाने का आरोप लग रहा है। सबसे प्रखर विरोध तमिलनाडु में हो रहा है। एक डीएमके कार्यकर्ता ने तो आत्मदाह कर लिया है। इससे पहले तमिलनाडु विधानसभा ने प्रस्ताव पारित कर हिंदी थोपे जाने का विरोध किया। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि अमित शाह के नेतृत्व वाली राजभाषा संसदीय समिति ने जो रिपोर्ट सौंपी है वह, दरअसल हिंदी थोपने का प्रयास है। ये घटनाएं साल 1964 की याद दिलाती हैं, जब हिंदी विरोध की आग ने पूरे तमिलनाडु को गिरफ्त में ले लिया था।

क्या कहता है संविधान

इस संबंध में आगे बढ़ने से पहले कुछ तथ्यों पर एक नजर डाल लेना ठीक रहेगा।

-जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ तो उसके अनुच्छेद 343 में प्रावधान था कि देवनागरी लिपि में हिंदी केंद्र सरकार की राजभाषा होगी।

-किंतु अगले ही उपबंध में यह भी जोड़ा गया था कि पंद्रह वर्षों तक अंग्रेजी का इस्तेमाल पहले की तरह होता रहेगा। यह अवधि 26 जनवरी 1965 को समाप्त होने वाली थी।

-संविधान निर्माताओं को यह भान था कि इतने समय में पूरा देश इस परिवर्तन के लिए तैयार न हो, इसलिए इसमें प्रावधान किया गया कि यदि संसद चाहे तो पंद्रह सालों के बाद भी अंग्रेजी का प्रयोग जारी रखा जा सकता है।

-1963 में ही संसद ने राजभाषा अधिनियम बनाया, जिसमें प्रावधान किया गया कि केंद्र सरकार एवं संसद के कामकाज में हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी का प्रयोग 26 जनवरी 1965 के बाद किया जा सकेगा। ध्यान देने की बात है कि अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रह सकता था, लेकिन 26 जनवरी 1965 से हिंदी को राजभाषा होना था।

-24 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रेस को विस्तार से बताया कि हिंदी का प्रयोग प्रशासनिक कार्यों में बढ़ाया जाएगा।

जैसे ही यह खबर छपी, विपक्षी डीएमके ने आंदोलन शुरू कर दिया और झूठा प्रचार किया कि अंग्रेजी की जगह हिंदी को लाया जा रहा है। हिंदी विरोध ऐसा फैला कि पुलिस को गोलियां चलानी पड़ीं और बड़ी संख्या में आत्मदाह होने लगे।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि अमित शाह के नेतृत्व वाली राजभाषा संसदीय समिति ने जो रिपोर्ट सौंपी है वह, दरअसल हिंदी थोपने का प्रयास है। ये घटनाएं साल 1964 की याद दिलाती हैं, जब हिंदी विरोध की आग ने पूरे तमिलनाडु को गिरफ्त में ले लिया था।

-11 फरवरी को केंद्रीय मंत्री सी सुब्रमण्यम ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। तमिलनाडु के ही एक अन्य केंद्रीय राज्य मंत्री ओ वी अलगेसन ने भी त्यागपत्र दे दिया।

-राष्ट्र के नाम संबोधन में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने फिर आश्वासन दिया कि हिंदी किसी पर थोपी नहीं जाएगी। स्थिति में थोड़ा सुधार होने पर दोनों मंत्रियों ने इस्तीफे वापस ले लिए।

-फिर राष्ट्रपति ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए सरकार की भाषा नीति को स्पष्ट किया कि जब तक अहिंदी भाषी लोग चाहेंगे अंग्रेजी, एसोसिएट भाषा के रूप में इस्तेमाल होती रहेगी। 1966 में राजभाषा अधिनियम में संशोधन कर नेहरू के इस आश्वासन को कानूनी आधार दिया गया कि हिंदी थोपी नहीं जाएगी।

हिंदी पर ही विवाद क्यों

इसके बावजूद राजनीतिक कारणों से हिंदी का विवाद बार-बार खड़ा किया जाता है। आश्चर्य है कि हिंदी का विरोध करने वाले विदेशी भाषा अंग्रेजी को अंगीकार करते हैं किंतु अपने देश की भाषा हिंदी से परहेज करते हैं।

-लखनऊ कांग्रेस में 28 दिसंबर 1916 को महात्मा गांधी ने कहा था, 'तमिल भाइयों ने मुझसे अपील की है कि मैं उनके सम्मुख अंग्रेजी में बोलूं, और मैं उनके आग्रह को अंशत: स्वीकार कर रहा हूं। किंतु मैं बदले में उनसे यह अपील करना चाहता हूं कि वे अगले वर्ष भर में राष्ट्रभाषा सीख लें। मैं जानता हूं कि जब भारत को स्वराज्य दे दिया जाएगा, तब कौन-सी भाषा राष्ट्रभाषा होगी। यदि उन्होंने अगले वर्ष भर में राष्ट्रभाषा नहीं सीखी, तो जहां तक मेरा संबंध है, मैं अंग्रेजी में नहीं बोलूंगा।'

-गांधी जी के प्रभाव में कई गैर-हिंदी भाषियों ने हिंदी को अपना विषय बनाया। 1918 में मद्रास में एनी बेसेंट ने ही सीपी रामास्वामी अय्यर की अध्यक्षता में हुई एक सभा में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की।

-हिंदी के सबसे बड़े समर्थक गांधी जी ने नेहरू को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया। 14/15 अगस्त की मध्य रात्रि को जब भारत आजाद हुआ तो प्रधानमंत्री नेहरू ने अपना पहला भाषण अंग्रेजी में किया जो बहुत प्रसिद्ध हुआ- 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी'। अंग्रेजी में वह भाषण देना पहला पाप (ऑरिजिनल सिन) था जिसकी कीमत देश आज तक चुका रहा है।

-यह बात भी समझ के परे है कि संविधान के किसी अनुच्छेद को 15 वर्षों तक निलंबित रखना कितना संवैधानिक था। विरोध तो बहुत सारे मुद्दों पर था। कई रजवाड़े भारत में विलय को तैयार नहीं थे। हैदराबाद के निजाम का प्रधानमंत्री कासिम रिजवी हिंद महासागर को लाल करने की धमकी दे रहा था। हैदराबाद को मिलाने के लिए ऑपरेशन पोलो चलाना पड़ा जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए। फिर हिंदी को लेकर इतनी उहापोह क्यों रही?

दूसरी भाषा भी सीखें

बहरहाल, हिंदी फिल्मों, सीरियलों एवं गीतों के माध्यम से हिंदी का प्रसार तेजी से हो रहा है। तमिलनाडु में हिंदी का विरोध राजनीतिक कारणों से है। मध्य प्रदेश सरकार ने एमबीबीएस की पुस्तकें हिंदी में प्रकाशित कर एक सराहनीय कार्य किया है।

एक दुष्प्रचार किया गया है कि विज्ञान की पुस्तकें हिंदी में नहीं लिखी जा सकतीं। हर विषय की पाठ्य पुस्तकें हिंदी में प्रकाशित होनी चाहिए। साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हुए हिंदी भाषियों को एक अन्य भारतीय भाषा अनिवार्य रूप से सीखनी चाहिए।

मार्ग-दर्शन

प्रजा की खातिर संत ने त्याग दिए अपने प्राण

एक बार श्रावस्ती के राजा विड़ुभ ने कपिलवस्तु पर अचानक आक्रमण कर दिया। कपिलवस्तु की सेना को तैयारी का अवसर ही नहीं मिला और राजा को राज्य छोड़कर भागना पड़ा। राजधानी में घुसकर राजा विड़ुभ और उसके सैनिकों ने लूटपाट आरंभ कर दी। प्रजा त्राहि-त्राहि कर उठी। उस समय कपिलवस्तु में संत महानाम रहते थे। उनसे प्रजा का दुख देखा नहीं गया। विड़ुभ उनका शिष्य रह चुका था। अत: वे राजा विड़ुभ के पास पहुंचे और कहा- राजन! मैं आपसे प्रजा के प्राण और माल की रक्षा की भीख मांगने आया हूं। विड़ुभ ने कहा- आप मेरे गुरु हैं। आपको कोई कष्ट नहीं होगा, किंतु कपिलवस्तु को नष्ट करने का तो मैंने संकल्प लिया है। महानाम बोले- राजन! तुम्हें याद होगा कि तुम गुरुदक्षिणा में मुझे कुछ देना चाहते थे और मैंने कहा था कि फिर कभी लूंगा तो आज गुरुदक्षिणा में मैं आपसे प्रजा की सुरक्षा मांगता हूं। राजा ने कहा- क्या ऐसा कोई मार्ग है जिससे आपको गुरुदक्षिणा मिले और मेरा संकल्प भी पूर्ण हो। संत बोले- आप ही वह मार्ग बता दें। राजा ने कहा- आप सामने वाले सरोवर में गोता लगाइए। जितनी देर इसके भीतर रहेंगे, यह लूटपाट बंद रहेगी, मगर आपके बाहर आते ही यह पुन: शुरू हो जाएगी। राजा की बात मान संत सरोवर में उतरे और उन्होंने सरोवर के तल में पहुंचकर सरोवर के बीच स्थित स्तंभ से स्वयं को बांध लिया। काफी देर बाद गोताखोर उनका शव निकालकर लाए। यह देख विड़ुभ को बहुत पश्चाताप हुआ और वह सेना लेकर लौट गया। सार यह है कि कभी-कभी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आत्म बलिदान के लिए भी तत्पर रहना चाहिए। आत्मोत्सर्ग लोगों को प्रेरणा प्रदान करता है।

जीने की राह

एक से ज्यादा लोग होने पर कलह तो होगी ही

परमात्मा ने घोषणा की है कि संसार में मैंने एक, दो, तीन, चार और कहीं-कहीं इससे भी अधिक पैर वाले तथा बिना पैर वाले जीवों का निर्माण किया है, लेकिन मनुष्य मुझे सबसे अधिक प्रिय है क्योंकि उसमें बुद्धि होती है और उस बुद्धि में यह संभावना होती है कि वह परमात्मा को पहचान सके। इसका एक उदाहरण अवधूत दत्तात्रेय और राजा यदु का संवाद है। दत्तात्रेयजी ने राजा से कहा था कि मैंने अपनी बुद्धि से कई गुरुओं का आश्रय लिया है। उन्होंने जो अलग-अलग गुरु बताए थे, उनमें एक गुरु एक कुंवारी कन्या और उसकी चूड़ी को भी बताया था। बात बड़ी रोचक और गहरी है। एक कुंवारी कन्या को विवाह हेतु देखने के लिए कुछ लोग उसके घर में आते हैं। कन्या के माता-पिता कहीं बाहर गए हुए थे तो अतिथियों के सत्कार के लिए वह स्वयं काम में जुट गई। भोजन कराने के लिए वह एकांत में धान कूटने लगी। उसकी कलाइयों की चूड़ियां आपस में टकराकर आवाज कर रही थीं। कन्या को लगा कि चूड़ियों की आवाज से अतिथि समझ जाएंगे कि यह धान कूट रही है और इसके घर में कोई सेवक नहीं है। अत: वे हमें दरिद्र की श्रेणी में रखेंगे। यह सोच उसने सारी चूड़ियां तोड़ दीं और एक-एक चूड़ी रहने दी। फिर कोई आवाज नहीं हुई। दत्तात्रेयजी कहते हैं- उसी समय मैं वहां से गुजर रहा था। मैंने यह प्रसंग देखा तथा इससे यह शिक्षा ली कि जब बहुत लोग एकसाथ रहते हैं तो कलह होती ही है। अकेला होने को अध्यात्म में एकांत कहा गया है। आदमी जब एकांत में होगा, तो परमात्मा से सामीप्य की संभावना अधिक रहेगी।

इस जीत के निहितार्थ

कहने को भले ये दो राज्यों के विधानसभा चुनाव थे, लेकिन जिस तरह से इन पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई थीं, उससे पहले दिन से साफ था कि ये उससे कहीं ज्यादा हैं। इन चुनाव नतीजों से 2024 के लोकसभा चुनावों का नैरेटिव बनने की बात कही जा रही थी। उस लिहाज से निस्संदेह गुजरात में बीजेपी को मिली जीत बहुत बड़ी है। पिछले यानी 2017 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को कांग्रेस ने कड़ी टक्कर दी थी। तब 268 विधायकों वाली विधानसभा में उसे 99 सीटें आई थीं, जो सरकार गठन के लिए आवश्यक संख्या (95) से मात्र चार ज्यादा थीं। स्वाभाविक रूप से माना जा रहा था कि अगर कांग्रेस थोड़ा और जोर लगा दे या बीजेपी थोड़ी सी लापरवाही दिखा दे तो चुनाव में उलटफेर हो सकता है। लेकिन न तो कांग्रेस ज्यादा जोर लगा पाई और न ही बीजेपी ने कोई चूक दिखाई।

नतीजा यह कि राज्य में 1985 में माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में बना 149 सीटों का रेकॉर्ड इस बार बीजेपी के हाथों टूट गया। हालांकि हिमाचल प्रदेश में हर पांच साल पर सरकार बदलने का रिवाज बना रहा, जिससे

कांग्रेस की थोड़ी-बहुत लाज रह गई। इससे कम से कम कहने को उसे यह सहूलियत मिल गई कि स्कोर एक-एक का है। लेकिन इन चुनाव नतीजों से जो बड़ा संदेश निकला वह यही है कि चुनावी राजनीति में कांग्रेस को अगर सचमुच मुकाबले में रहना है तो उसे अपने तौर-तरीके बदलने पड़ेंगे। गुजरात में उसकी सीटों की संख्या ऐतिहासिक रूप से नीचे हो गई है, इससे भी बड़ी बात यह है कि वहां कांग्रेस लड़ती हुई दिखी भी नहीं।

भले ही भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी दिखा रहे हों, इससे चुनावी लड़ाई के मोर्चे पर पार्टी की गैरहाजिरी की भरपाई नहीं होती। इसी बिंदु पर यह बात गौर करने लायक है कि आम आदमी पार्टी की एंट्री से गुजरात चुनावों में विपक्ष का एक नैरेटिव बनता हुआ दिखा। पार्टी सीटों के मामले में भले ही अपेक्षा से बहुत पीछे छूट गई हो, लेकिन बिजली, पानी, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मसलों पर बेहतर गवर्नेंस का वादा करते हुए और मोरबी पुल हादसे के बहाने भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाते हुए उसने विपक्ष का एक वैकल्पिक नैरेटिव तैयार किया।

पिछले चुनावों में उसकी कमी दिख रही थी। इसके साथ ही आप एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। यानी विपक्षी खेमे में अब उसका अपना एक स्थान है। इस या उस पार्टी का वोट काटने वाली पार्टी के रूप में उसका उल्लेख अब उपयुक्त नहीं माना जा सकेगा। खुद आम आदमी पार्टी भी अगर इस तथ्य का ख्याल रखे और अपनी आलोचनाओं की धार विपक्षी खेमे की किसी पार्टी के बजाय सत्ताधारी पार्टी की ओर मोड़े तो इन विधानसभा चुनावों से विपक्षी राजनीति में तालमेल का एक नया सिलसिला शुरू हो सकता है, जिससे विपक्षी एकजुटता की मजबूत जमीन तैयार हो सकती है।

पहुंच से बाहर क्यों है घर खरीदने का सपना

भारत में घर खरीदना हर आम आदमी का सपना होता है। लेकिन इस साल उसकी पहुंच से यह सपना दूर होता दिख रहा है। कारण कि हम बढ़ते ब्याज दरों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से आई मुद्रास्फीति के दबावों के माहौल में आगे बढ़ रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है- भारतीय रिजर्व बैंक का लगातार रेपो दरों में बदलाव करना। इससे बैंकों से मिलने वाला आवास ऋण महंगा हो रहा है और कोविड काल के बाद बाजार के तेजी पकड़ने से प्रॉपर्टीज भी महंगी हुई हैं। दूसरी तरफ घटती आमदनी की वजह से भी 'अपना घर' लोगों की पहुंच से बाहर हो गया है।

निर्माण लागत ज्यादा

इस संबंध में हाल ही में प्रॉपर्टी कंसल्टेंट कंपनी जोन्स लैंग लासेल (जेएलएल), इंडिया ने होम पर्चेज अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स पेश किया। इंडेक्स में इस बात की पड़ताल की गई है कि आम परिवार की आमदनी (औसत वार्षिक आय) मौजूदा बाजार मूल्य पर आवासीय संपत्ति खरीदने के लायक है या नहीं? यानी उसके लिए घर खरीदना किफायती है या नहीं। सर्वे के मुताबिक 2022 में लोगों की घर खरीदने की क्षमता में थोड़ी कमी आई है, क्योंकि घर निर्माण सामग्री में महंगाई की वजह से निर्माण लागत बढ़ी है। इससे खरीदारी प्रभावित हुई है।

2013 और 2021 के बीच सभी भारतीय शहरों में घर खरीदने की क्षमता में लगातार बढ़ोतरी हुई थी। यानी इन वर्षों में घर खरीदने के लिए बेहतर समय रहा। साल 2022 में कुछ ही शहर ऐसे हैं जहां आम आदमी के लिए घर खरीदना अब भी थोड़ा किफायती है हालांकि बीते सालों की तुलना में वहां भी यह महंगा है।

-लगातार दो साल से कोलकाता किफायती घर खरीदने के लिहाज से सूची में सबसे ऊपर दर्ज हुआ है।

-राजधानी क्षेत्र दिल्ली एनसीआर में घर खरीदना आसान नहीं रहा है।

-घर खरीदने के लिए रेपो रेट, आवास ऋण, महंगाई और प्रति व्यक्ति आय आदि फैक्टर निर्णायक साबित होते हैं।

-बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए साल 2023 में भी घर खरीदना आसान नहीं होने वाला है।

सस्ते बाजार से उम्मीद

होम पर्चेज अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स के मुताबिक इस साल देश के सात प्रमुख शहरों में घर खरीदना थोड़ा आसान बताया गया है। सर्वे में अनुमानित कीमत के हिसाब से यह आकलन किया गया कि यहां घर खरीदना किफायती है या नहीं। इस इंडेक्स में कोलकाता को 193 अंक हासिल हुए हैं, जो इस वर्ष घर खरीदने के लिए सर्वाधिक किफायती शहर बताया गया। इसके बाद 183 अंक के साथ पुणे दूसरे स्थान पर, 174 अंक के साथ हैदराबाद तीसरे पायदान पर, 168 अंक के साथ बेंगलुरु चौथे, 162 अंक के साथ चेन्नै पांचवें, 125 अंक के साथ दिल्ली छठे और 92 अंक के साथ मुंबई आखिरी सातवें स्थान पर रहा। इन अंकों से यह स्पष्ट हो रहा है कि मुंबई को छोड़कर अन्य शहरों में किफायत सूचकांक संतोषजनक स्थिति में है। अच्छी बात यह भी है कि कोलकाता, पुणे और हैदराबाद देश के सबसे सस्ते आवास बाजार बने रह सकते हैं।

बीते साल के इंडेक्स की बात करें तो कोलकाता टॉप पर रहा था। लेकिन तब उसे 212 अंक दिए गए थे, वहीं हैदराबाद को 196 अंक, पुणे को 195 अंक, बेंगलुरु को 185 अंक, चेन्नै को 181 अंक, दिल्ली-एनसीआर को 140 अंक और मुंबई को 100 अंक हासिल हुए थे। दोनों सालों के इंडेक्स के अंकों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन से पता चलता है कि इस साल घर खरीदना बीते साल की तुलना में कम किफायती रहा है। लेकिन देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-एनसीआर में घर खरीदना अब किफायती नहीं रहा।

बहरहाल यह चिंता का विषय है कि इस साल लोगों के घर खरीदने की क्षमता में कमी आई है। इसके पीछे कई वजहें हैं, जिनमें होम लोन का महंगा होना तो है ही, बढ़ती महंगाई की वजह से निर्माण लागत में भी बढ़ोतरी हुई है। इससे खरीदारी प्रभावित हुई। हालांकि हाल के दिनों में प्रमुख निर्माण सामग्री की कीमतें थोड़ी सस्ती हुई हैं लेकिन पिछले वर्ष की तुलना में यह अब भी ज्यादा है। इसीलिए घर की कीमतें भी अधिक हैं।

दैनिक पंचांग

14 दिसम्बर 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

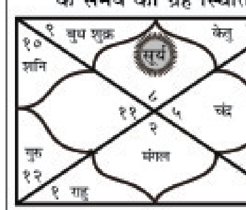

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.46 बजे से
चंद्र	सिंह में	मकर	08.52 बजे से
मंगल	वृष में	कुंभ	10.38 बजे से
बुध	धनु में	मीन	12.11 बजे से
गुरु	मीन में	मेष	13.41 बजे से
शुक्र	धनु में	वृष	15.21 बजे से
शनि	मकर में	मिथुन	17.20 बजे से
राहु	मेष में	कर्क	19.33 बजे से
केतु	तुला में	सिंह	21.49 बजे से
राहुकाल		कन्या	00.01 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		तुला	02.12 बजे से
		वृश्चिक	04.26 ब.से

बुधवार 2022 वर्ष का 348 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 23.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 05.16 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 06.54 बजे प्रात: को समाप्त।
करण गर 10.34 बजे तदनन्तर वणिज 23.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 12'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871462
जूलियन दिन 2459927.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1444
महीना जमादि उलावल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
लाभ	05.54	से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44	बजे तक
काल	08.15	से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47	बजे तक	चर	10.16	से	11.47	बजे तक
रोग	11.47	से	01.16	बजे तक	रोग	11.47	से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44	बजे तक	काल	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.44	से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 14 दिसम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

प्रसंगत: योग्यता का सम्मान

कोलकाता के एक कॉलेज में संस्कृत व्याकरण के शिक्षक का पद खाली हुआ। उन दिनों चारों तरफ ईश्वरचंद्र विद्या सागर की धूम थी। वह संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे। स्थान खाली होते ही कॉलेज के प्रिंसिपल के मन में संस्कृत अध्यापक के पद के लिए ईश्वरचंद्र विद्यासागर का नाम आया। उन्होंने उन्हें पत्र भिजवाया और आग्रह किया कि वह पद ग्रहण करके कॉलेज व उसके विद्यार्थियों को गौरवान्वित करें। ईश्वरचंद्र ने पत्र पढ़ा तो तत्काल जवाब लिखने बैठ गए। उन्होंने लिखा, 'आपको व्याकरण पढ़ाने वाले अध्यापक की आवश्यकता है। मैं सोचता हूं कि व्याकरण के मामले में मैं इस नगर का योग्यतम व्यक्ति नहीं हूं। इस विषय में मुझसे अधिक विद्वान मेरे मित्र वाचस्पति हैं। यदि आप उनकी नियुक्ति कर सकें तो मुझे बड़ी प्रसन्नता होगी। मेरा उस पद पर आना वाचस्पति की योग्यता का अपमान होगा। इसलिए कृपया मुझे आवेदन करने को न कहें।' कॉलेज के प्राचार्य विद्यासागर का पत्र पढ़कर उनके प्रति नतमस्तक हो गए और सोचने लगे कि यह व्यक्ति कितना महान है। किसी दूसरे व्यक्ति को अपने से बड़ा बताना हर किसी के बस की बात नहीं। कोई भी व्यक्ति दूसरे के सामने स्वयं को कमतर कभी नहीं साबित करता। लेकिन बेहद गुणी व विनम्र ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने ऐसा किया है। निश्चित रूप से उनका हृदय अत्यंत विशाल है। उनके इस प्रस्ताव को कॉलेज की प्रबंध समिति ने खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। मित्र की नियुक्ति पाकर ईश्वरचंद्र विद्यासागर को हार्दिक प्रसन्नता हुई। जब वाचस्पति को इस घटना का पता चला तो वह तुरंत विद्यासागर के पास पहुंचे और उन्हें गले लगाते हुए बोले, 'मित्र वास्तव में आपके बड़प्पन व विशाल हृदय का कोई सानी नहीं। इतना अद्भुत व गौरवशाली व्यक्तित्व व सोच सिर्फआपकी ही हो सकती है। मुझे सच में नौकरी की बेहद आवश्यकता थी।' विद्यासागर ने उनकी पीठ थपथपाते हुए कहा, 'मित्र, जो योग्य है उसे उपयुक्त अवसर मिलना ही चाहिए।'

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

आप भी कर सकती हैं फाइनेंशियल प्लानिंग

हम जब अपनी मेहनत की कमाई का निवेश करते हैं, तो आम तौर पर हमारा मकसद यही होता है कि उससे ज्यादा से ज्यादा रिटर्न मिले, हमारे बचाया हुआ पैसा समय की भट्टी में तफ्कर और पैसा बनाए। पर इसके अलावा भी हमारी बचत/निवेश का स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए, जैसे बच्चों की उच्च रिक्षा,उनकी शादी, रिटायरमेंट के बाद घर खर्च की व्यवस्था या फिर मकान/वाहन खरीदना, विदेश यात्रा आदि। यदि आपके सामने यह स्पष्ट है कि आप कितना पैसा किस उद्देश्य के लिए निवेश कर रहे हैं, तो फाइनेंशियल प्लानिंग में बहुत आसानी हो जाती है। विभिन्न जरूरतों के हिसाब से आज बाजार में निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं, जैसे बैंकों की सावधि जमा (एफडी), पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएँ, बीमा पॉलिसियाँ, म्यूव्युअल फंड, शेयर, प्रॉपर्टी, सोना आदि। आप अपनी जरूरत व अपनी क्षमता के अनुसार किसी भी क्षेत्र में निवेश कर सकती हैं। हाँ, कुछ मूलभूत बातों का ध्यान हर तरह के निवेश में रखना पड़ता है।

- विज्ञापनों से किसी योजना की मोटी-मोटी जानकारी जरूर लें, लेकिन आँख मूँदकर किसी भी विज्ञापन पर विश्वास न करें। इनमें न केवल चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है, बल्कि आपको भावनात्मक रूप से स्कीम विशेष के प्रति आकर्षित करने की पूरी व्यवस्था रहती है। अत: केवल विज्ञापन के आधार पर निवेश का फैसला हर्गिज न करें।
- जहाँ भी निवेश करना है, उस संस्था के बारे में पूर्ण जानकारी एकत्र करें।
- निवेश योजना संबंधी दस्तावेज पूरा पढ़ें, उसके बाद ही आगे कार्रवाई करें।
- यदि किसी एजेंट/ब्रोकर के माध्यम से निवेश कर रहे हैं, तो उसके बारे में भी पूरी जानकारी प्राप्त करें। उसका पता व फोन नंबर अपने पास रखें।
- आजकल टेली-कॉलिंग के माध्यम से भी लोगों को फोन करके विभिन्ना स्कीम्स में निवेश करने के लिए ललचाया जाता है। फोन पर कौन आपसे बात कर रहा है, इसकी कोई गारंटी नहीं होती, अत: ऐसे लोगों को अपने परिवार, आर्थिक स्थिति, व्यापार आदि की जानकारी कतई न दें।
- निवेश संबंधी कागजात के साथ अपने मूल दस्तावेज जैसे बैंक पासबुक, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंसे, पासपोर्ट आदि हर्गिज न दें। इनकी फोटोकॉपी ही दें तथा फोटोकॉपी पर हस्ताक्षर कर यह भी लिखें कि यह आपने फलाँ कार्य के लिए दी है।
- किसी भी व्यक्ति के साथ नकद व्यवहार न करें। लेन-देन चेक से ही करें।
- अविश्वसनीय रिटर्न का लालच देने वालों अथवा 'स्कीम बंद हो रही है, ऐसे मौके बार-बार नहीं आते' आदि कहने वालों से बचकर रहें।
- उधार लेकर कतई निवेश न करें। आमदनी में से आवश्यक खर्च के बाद जो पैसा बचता है, उसी से निवेश करें।
- कोई योजना कितनी ही अच्छी क्यों न हो, अपना सारा पैसा एक ही जगह निवेश करने की गलती न करें।

घर-परिवार में जिम्मेदारियों का जो अलिखित बँटवारा किया गया है, उसमें फाइनेंशियल प्लानिंग को पुरुषों का काम मान लिया गया है। यह अजीब बात है कि जब बड़ी संख्या में महिलाएँ नौकरी अथवा छोटा-बड़ा व्यवसाय कर पैसा कमा रही हैं, तब भी पैसों के निवेश का काम आम तौर पर पुरुषों के ही हवाले रहता है। सच तो यह है कि आज की पढ़ी-लिखी महिलाएँ भी फाइनेंशियल प्लानिंग उतनी ही कुशलता से कर सकती हैं जितना कि पुरुष। जरूरत है तो बस, निवेश संबंधी कुछ मूलभूत बातों को समझने की तथा सावधानी बरतने की।

लग्जरी हैंडबैग्स

ब्रांडेड बैग्स के बारे में एक बात विशेष है कि लड़कियों को ईवनिंग बैग्स, क्लचेस, टोट्स तथा वालैट्स अत्यधिक भाते हैं। अभी पिछले दिनों की बात है अमेरिकी सोशलाइट पैरिस हिल्टन अपने हैंड बैग्स की श्रृंखला को लांच करने भारत आई थी।

आज जबी भी आप कहीं जाने को निकलती हैं तो रास्ते में आते-जाते और विशेषकर किसी शैक्षणिक कैम्पस के नजदीक आपको मॉड फैशन्ड लड़कियां दिखाई देंगी-जीन्स-शर्ट्स पहने तथा कंधों पर हैंड बैग लटकाए। यह एक सुखद ट्रैंड है जिसमें अधिक तड़क-भड़क चाहे नहीं है फिर भी आधुनिकता का रंग जरूर है। सबसे बड़ी बात जो हैंड बैग्स के मामले में देखने को मिलती है वह यह है कि इनमें लग्जरी ब्रांड्स लड़कियों या महिलाओं की पहली पसंद होते हैं।ब्रांडेड बैग्स के बारे में एक बात विशेष है कि लड़कियों को ईवनिंग बैग्स, क्लचेस, टोट्स तथा वालैट्स अत्यधिक भाते हैं। अभी पिछले दिनों की बात है अमेरिकी सोशलाइट पैरिस हिल्टन अपने हैंड बैग्स की श्रृंखला को लांच करने भारत आई थीं। महानगर निवासी गृहिणी रागिनी का कहना है, मुझे ब्रांडेड बैग्स बहुत पसंद हैं। पिछली बार जब मैं विदेश गई थी तो वहां से मैंने लुइस वित्तों तथा गुच्ची के हैंड बैग्स खरीदे थे। मुझे लगता है कि 10 स्थानीय बैग्स खरीदने की बजाय आपके पास एक ब्रांडेड बैग होना चाहिए। मैंने अपना पहला लुईस वित्तों हैंड बैग तब खरीदा था जब मैं यमन एयरवेज के साथ एयर होस्टैस के तौर पर काम कर रही थी। शहर की महिलाएं तथा लड़कियां शान से ऐसे बेशकीमती हैंड बैग्स खरीदती हैं। तितलियों की तरह उड़ती ये लड़कियां तथा महिलाएं अपने हैंड बैग्स को स्टेट्स सिंबल मानती हैं। चंडीगढ़ की रहने वाली रूचि बजाज कहती हैं जब भी हम विदेश जाते हैं तो मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। मेरे पति मेरे जन्मदिन पर या शादी की वर्षगांठ पर हमेशा मुझे एक ब्रांडेड हैंड बैग उपहार स्वरूप देते हैं। इस संबंध में यह जान लेना जरूरी है कि निम्न मध्यवर्गीय महिलाओं के लिए ब्रांडेड हैंड बैग्स काफी महंगे हो सकते हैं। कामकाजी महिलाएं अपने इस शैक को पूरा करने के लिए काफी पैसे बचाती हैं। यह ट्रैड महानगरों में अधिक देखने को मिलता है। एक ज्यूलरी कंपनी की मालिक संजली जैन का कहना है, चूंकि मैं एक कामकाजी महिला होने के साथ-साथ गृहिणी भी हूं इसलिए समाज में विचरते हुए मैंने यह नोटिस किया है कि लग्जरी ब्रांड्स के हैंड बैग खरीदने का ट्रैंड बहुत बढ़ा है। किसी भी महिला के लिए हैंड बैग उसका संगी-साथी होता है। वह हमेशाइसे अपने साथ लेकर चलती है तो क्यों न एक बढ़िया सा हैंड बैग खरीदा जाए। ब्रांड्स की बात करें तो विदेशी बाजारों में लुईस वित्तों, बर्बेरी, क्रिश्चियन डियोर, गुच्ची, चैनल, परादा, कोच तथा गैस्स इत्यादि बहुत अधिक पसंद किए जाते हैं।

हेल्थ प्लस

स्लिप डिस्क से नपुंसकता का खतर

हमारी रीढ़ की हड्डी में कुल 24 मनके होते हैं। हमारी गर्दन में 8 मनके होते है जिन्हें cervical Spine कहा जाता है। इससे नीचे 12 मनके होते हैं जिन्हें Dorasl Spine कहा जाता है। कमर वालो हिस्से के 5 मनके Lumbar Spine कहलाते हैं। इससे नीचे मलद्वार वाले स्थान पर आपस में जुड़े 5 मनके होते हैं जिन्हें Sacral Spine कहा जाता है। इन सबमें से एक नाड़ी निकलती है जिसे मेरूदंड या Spinal cord कहते हैं।

मेरूदंड अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें लगी चोट किसी व्यक्ति को उम्र भर के लिए अपहिज बना सकती है। इसमें दिमाग तथा निकलने वाली महत्वपूर्ण नाड़ियां होती हैं जो दिमाग तथा शरीर के बाकी हिस्सों में जाती हैं। आमतौर पर गर्दन में से निकलते वाली नाड़ियां बाहों को तथा कमर में से निकलते वाली नाड़ियां टांगों तथा पैरों को चलती हैं।

कमर के नीचे वाले हिस्से के मनकों में से जननांगों को जाने वाली नाड़िया निकलती हैं। ये नाड़ियां ही जननांगों में हरकत लाती हैं। जब स्पिल डिस्क की समस्या आती है तो इन नाड़ियों पर दबाव पड़ता है जिस कारण प्रजनन अंग सुन्न होने शुरू हो जाते हैं और रोगी की सैक्स शाक्ति धीरे-धीरे कमजोर हो जाते हैं। यदि समय पर इलाज न करवाया जाए तो मरीज की सैक्स शाक्ति खत्म हो सकती है जो बाद में किसी भी आप्रेशन या दवा से ठीक नहीं होती।

स्पिल डिस्क के अन्य लक्षण

जब भी कमर या गर्दन में दर्द हो तथा यह दर्द वहां से बांहों तथा टांगों में जाने लगे, खांसते समय दर्द हो, हाथों या टांगों का कोई हिस्सा सुन होना शुरू हो जाए या कमजोर हो जाए, एड़ियों के बल चला न जाए, मूत्र करने या मल त्याग के वक्त जोर लगने लगे या बार-बार आने लगे तो स्पिल डिस्क का शक होता है। ऐसे समय में आप्रेशन करवाना समय की जरूरत होती है। कई लोग ऐसे में मालिश करवाने या अन्य देसी तरीकों के चक्कर में पड़ जाते हैं जो खतरनाक है।

स्लिप डिस्क के प्रमुख कारण

- ♣ अपने सामर्थ्य से अधिक वजन उठाना।
- ♣ किसी कारण कमर पर चोट लगना।
- ♣ आमतौर पर सड़क पर दोपहिया वाहन चलाते वक्त यदि आगे गड्ढा आ जाए तो कमर को जोर का झटका लगने से स्लिप डिस्क हो सकती है।
- ♣ एक हाथ से अधिक तथा दूसरे से कम वजन उठाने से भी स्लिप डिस्क हो सकती है।
- ♣ कुर्सी पर या अन्य किसी चीज पर गलत तरीके से बैठने के कारण।
- ♣ जिस व्यक्ति का वजन अधिक होता है उसको स्लिप डिस्क का खतरा अधिक होता है। अधिक वजन के कारण शरीर का बायोमैकेनिज्म बिगड़ जाता है तथा रीढ़ का हड्डी पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

मेरूदंड अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें लगी चोट किसी व्यक्ति को उम्र भर के लिए अपाहिज बना सकती है। इसमें दिमाग से निकलने वाली महत्वपूर्ण नाड़ियां होती हैं जो दिमाग तथा शरीर के बाकी हिस्सों में जाती हैं।

इलाज

आज स्लिप डिस्क के आप्रेशन से डरने की जरूरत नहीं। इसका श्रेय न्यूरोसर्जरी को दिया जना चाहिए। न्यूरोसर्जरी इस विषय में इतनी आगे जा चुकी है कि मात्र एक इंच के चीरे में ही न्यूरोसर्जन स्लिप डिस्क की पीड़ा से छुटकारा दिला सकने में सक्षम हैं। इस आप्रेशन में कोई हड्डी नहीं निकाली जाती बल्कि यह आप्रेशन अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप किसी बारीक धागे को भी रस्सी जितना मोटा और साफ करके दिखाते हैं इसलिए आप्रेशन के दौरान नर्व्ज का किसी किस्म का नुक्सान नहीं होता। इस आप्रेशन में रक्त की जरूरत नहीं पड़ती। रोगी आप्रेशन के कुछ ही घंटे बाद चलने-फिरने लगता है। आप्रेशन के बाद रोगी को दो-तीन महीने झुक कर काम करने या ज्यादा वजन न उठाने का निर्देश दिया जाता है परन्तु बाकी काम वह सामान्य ढ़ग से ही कर सकता है। दो-तीन महीने बाद वह आम रूटीन की तरह सब काम कर सकता है।

स्लिप डिस्क संबंधी कुछ भ्रांतियां

बहुत से लोगों में यह भ्रांति व्याप्त है कि आप्रेशन के बाद कमर कमजोर हो जाती है। यह बिल्कुल गलता है। आप्रेशन के वक्त सिर्फ स्लिप डिस्क ही निकाली जाती है और इसके अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकाला जाता इसलिए आप्रेशन के बाद कमर पहले से मजबूत होती है न कि कमजोर। यह भी एक भ्रांति है कि आप्रेशन के बाद बैल्ट या कॉलर हमेशा के लिए लगाना पड़ता है। वास्तविकता यह है कि छोटे चीरे से किए जाते इस आप्रेशन के बाद इनकी जरूरत ही नहीं पड़ती। न्यूरोसर्जरी का उद्देश्य इस क्षेत्र में और प्रगति करना तथा लोगों को अधिक जागरूक करना है ताकि लोगों के मनों में व्याप्त भ्रांतियां दूर की जा सकें।

डायबिटीज के साथ स्वस्थ जीवन संभव

डायबिटीज के मरीज अक्सर अपनी बीमारी की ओर ध्यान नहीं देते। इलाज कराने में इतनी लापरवाही करते हैं कि शरीर को अपूरणीय क्षति हो जाती है। मनमानी के बाद जब होश आता है तब पछताते हैं लेकिन हासिल कुछ नहीं होता।

भोजन में ऊर्जा प्रदान करने के लिए मुख्यत: तीन प्रकार के तत्व होते हैं (1) कार्बोहाईड्रेट (2) प्रोटीन (3) फैट अर्थात वसा आंतों में पहुंचकर भोजन में मौजूद कार्बोहाईड्रेट ग्लूकोज में परिवर्तित हो जाता है और उसके पश्चात् अवशोषित होकर यह रक्त में पहुंचता है। तत्पश्चात यह ग्लूकोज हमारे शरीर की कोशिकाओं के भीतर पहुंच कर ईंधन के तौर पर ऊर्जा प्रदान करता है। ग्लूकोज को कोशिकाओं के भीतर प्रवेश पाने के लिए इंसुलिन नामक सहयोगी की आवश्यकता होती है। इंसुलिन एक हार्मोन है जो हमारे शरीर में पेन्क्रियाज (अग्नाशय) नामक ग्रंथी से निकलता है। खुल जा सिम सिम की तरह इंसुलिन के निर्देश पर कोशिकाओं के द्वार खुलते हैं और ग्लूकोज़ कोशिकाओं के भीतर प्रवेश करता है।

कोशिकाएं इस ग्लूकोज से ऊर्जा प्राप्त करती हैं और शरीर ऊर्जावान बना रहता है। भोजन से शरीर को इंसुलिन की मौजूदगी में ही ऊर्जा प्राप्त होती है। यदि किसी कारणवश शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाए या इंसुलिन ठीक से कार्य ना कर पाए तो ऐसी दशा में ग्लूकोज भोजन से रक्त में तो पहुंच जाएगा पर कोशिकाओं के अंदर प्रवेश नहीं कर पाएगा और रक्त में उसका लेवल बढ़ता जाएगा। यही डायबिटीज है।

पूर्ण निवारण संभव नहीं

मधुमेह का पूर्ण निवारण संभव नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रण में रखकर स्वस्थ एवं सामान्य जीवन बिताना संभव है। स्वस्थ जीवन के लिए शरीर की केमिस्ट्री को सामान्य रखना जरूरी है। डायबिटीज की चिकित्सा का उद्देश्य लक्षणों के इलाज की तुलना में रक्त में शुगर के स्तर को सामान्य रखना है क्योंकि जब रक्त में ग्लूकोज एक स्तर से अधिक होता है, तो इस अतिरिक्त ग्लूकोज का चयापचय असामान्य तरीके से होता है, जिसके फलस्वरूप अनेक रसायन बनते हैं, जो शरीर को धीमे-धीमे नुकसान पहुंचाते हैं। इस अति महत्वपूर्ण तथ्य को अनेक डायबिटीज के मरीज नहीं जानते एवं लक्षणों के अभाव में अपना इलाज नहीं करते हैं।

इस तरह काम

ती हैं वही कुछ से शरीर की कोशिकाओं में इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है। कुछ ऐसी टेबलेट्स भी हैं जो कई अन्य प्रणालियों से कार्य करके शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करती हैं। इन टेबलेट्स को प्रभावी होने के लिए शरीर में इंसुलिन का बनते रहना आवश्यक है।

डायबिटीज के प्रारंभिक वर्षों में पेन्क्रियाज़ में इंसुलिन बनाने वाली बीटा सेल्स की पर्याप्त संख्या मौजूद होती है, जिसकी वजह से टेबलेट्स के द्वारा इंसुलिन की आवश्यक मात्रा का स्त्राव हो पाता है। डायबिटीज में समय के साथ पेन्क्रियाज से इंसुलिन का बनना कम होता जाता है, और एक समय के बाद पेन्क्रियाज लगभग नगण्य इंसुलिन बना रहा होता है। डायबिटीज में यह होना स्वाभाविक है। ऐसा होने पर इंसुलिन लेने से ही शुगर का नियंत्रण किया जा सकता है। अक्सर डायबिटीज के मरीज इंजेक्शन के डर से इंसुलिन लेने से कतराते रहते हैं, जिसके कारण कई बार शरीर के अंगों को क्षति पहुंचती है। इंसुलिन की आवश्यकता होने पर इंसुलिन लेने से तनिक भी संकोच नहीं करना चाहिए क्योंकि इंसुलिन कोई दवाई नहीं बल्कि यह अपने शरीर का ही हार्मोन है और आजकल इंसुलिन लेने के नए दर्द रहित तरीके भी हैं।

दिल का रोग भी हो सकता है

इंसुलिन की कार्यप्रणाली के प्रभावित होने की वजह से उच्च रक्तचाप और अधिक कोलेस्ट्रॉल, जैसी समस्याएं भी इसके साथ जुड़ी होती हैं, जो डायबिटीज के रोगी को हृदय रोग की ओर लेकर जाती हैं। अत: मधुमेह के साथ सफल एवं स्वस्थ जीवन जीना है, तो सबसे पहले डायबिटीज़ को जानें, किसी शार्टकट की तलाश में समय ना गवाएं, अपने रक्त में ग्लूकोज़ के स्तर को आहार, व्यायाम, दवाई, इंसुलिन की मदद से सामान्य के करीब रखें, रक्तचाप को नियंत्रण में रखें।

सायलेंट किलर है मधुमेह

मधुमेह में लगभग 50 प्रतिशत लोगों को कोई लक्षण नहीं होते, परंतु बढ़ा हुआ शुगर उनके शरीर के विभिन्न अंगों को धीमे-धीमे नुकसान पहुंचाता रहता है। किसी दिन जब यह नुकसान गंभीर हो जाता है, तब एकाएक हृदयाघात, पक्षाघात, गुर्दे खराब होना जैसी समस्याएं सामने आती हैं।

युवावस्था में मधुमेह

डायबिटीज यदि युवावस्था में होता है, तो व्यक्ति को अधिक सचेत रहना चाहिए। अगर शुगर लेवल पर ध्यान नहीं देंगे, तो उन्हें उम्र के चौथे या पाँचवें दशक में गंभीर दुष्परिणामों का सामना करना पड़ सकता है।

कई हैं विकल्प

शुगर को सामान्य रखने के लिए वर्तमान युग में कई प्रकार के विकल्प मौजूद हैं। मरीज के सिस्टम में किस तरह की खराबी है, उसके आधार पर हर रोगी के लिए सही विकल्प का चयन किया जाता है। दवाईयों के साथ भी आहार नियंत्रण व व्यायाम जरूरी है, क्योंकि इनके द्वारा शरीर की इंसुलिन कार्यप्रणाली को सहायता मिलती है।

गर्लफ्रेंड तो दूर मेरा कोई दोस्त तक नहीं था: ऋतिक रोशन ने बयां किया दर्द, कहा- मेरे हकलाने का मजाक बनाते थे दोस्त

ऋतिक रोशन ने एक इंटरव्यू में कहा है कि एक समय था जब वो फिजिकल और मेंटल कंडीशन से जूझते रहते थे। ऋतिक का कहना है कि बचपन में वो काफी ज्यादा हकलाते थे जिसकी वजह से उन्हें स्कूल में काफी ज्यादा तंग किया जाता था। ऋतिक का कहना है कि गर्लफ्रेंड तो दूर उनका कोई दोस्त तक नहीं था। ऋतिक के मुताबिक वो समय उनके लिए इतना खराब था कि वो अकेले में बैठ कर घंटो रोते रहते थे। हालांकि ऋतिक ने समय के साथ अपने अंदर कॉन्फिडेंस डेवलप किया और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार बनने तक का सफर तय किया।

अकेले बैठकर घंटो रोते रहते थे ऋतिक

ऋतिक रोशन अपने एक्टिंग और डान्स के लिए जाने जाते हैं। उनकी गिनती दुनिया के सबसे सुंदर लोगों में की जाती है लेकिन एक समय था जब वो फिजिकली काफी ज्यादा कमजोर हुआ करते थे। इन्हीं सब बातों को याद करते हुए ऋतिक ने एक इंटरव्यू में कहा- 'बचपन में मैं काफी ज्यादा हकलाता था जिसकी वजह से मेरे साथ पढ़ने वाले लड़के मुझे चिढ़ाते थे और तंग करते थे। मैं घर आकर सिर्फ रोता रहता था। वो समय मेरे लिए काफी ज्यादा दर्दनाक था। उस टाइम मेरी गर्लफ्रेंड तो दूर कोई अच्छा दोस्त तक नहीं था।'

डाक्टर्स ने बोल दिया था कि मैं कभी एक्टर नहीं बन सकता

ऋतिक ने इसके अलावा ये भी बताया कि वो कैसे इन दिक्कतों को झेल कर आगे बढ़े और अपने आप को एक एक्टर के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा - 'मेरी रीढ की हड्डी में दिक्कत थी जिसकी वजह से मैं डांस नहीं कर सकता था। डाक्टर्स ने मुझसे कह दिया था मैं कभी एक्टर नहीं बन सकता। मैं महीनों तक डिप्रेशन में रहा लेकिन कुछ समय बाद मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर काम करना शुरू किया और समय के साथ अपने आप को बदल पाया।'

दीपिका पादुकोण के साथ फाइटर में आएंगे नजर

ऋतिक रोशन के रिसेंट प्रोजेक्ट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार फिल्म विक्रम वेधा में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान भी नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी। ऋतिक के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वो एक्शन-डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर में नजर आएंगे।

बालवीर एक्टर देव जोशी करेंगे चांद की सैर: 3 लाख लोगों में चुना गया नाम, क्रू मेंबर के तौर पर करेंगे यात्रा

सब टीवी के फेमस टीवी शो 'बालवीर' में बालवीर का किरदार निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट देव जोशी जल्द चांद की सैर पर जाने वाले हैं। जापान के अरबपति ने यह ट्रिप फाइनल कर दी है, ट्रिप पर जाने वाले लोगों को शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है, जिसमें देव का नाम भी शामिल हैं। इस बात की जानकारी खुद देव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। डियर मून प्रोजेक्ट के तहत देव सबसे कम उम्र में स्पेस पर जाने वाले व्यक्ति बन जाएंगे।

क्या है डियर मून प्रोजेक्ट?

दरअसल जापान के बिलेनियर यासुका मीजावा ने डियर मून मिशन की शुरूआत की थी। उन्होंने चांद की सैर पर जाने वाले इच्छुक लोगों से रजिस्ट्रेशन मांगे थे। दुनिया भर से कुल 3 लाख रजिस्ट्रेशन आए थे, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की थी। 3 लाख लोगों में कुल 8 लोगों को चुना गया है, जिसमें देव जोशी का नाम भी शामिल है, वो इस ट्रिप के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

3 लाख लोगों में चुना गया देव का नाम

पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- मैं शब्दों में अपनी खुशी को बयां नहीं कर सकता हूं। ये फीलिंग सबसे अलग है। मुझे डियर मून के एक्स्ट्राऑर्डिनरी, अविश्वसनीय है। इस खास प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व है, जिंदगी ने हमेशा नई अपॉर्चुनिटी देकर मुझे सरप्राइज किया है और ये अब तक की सबसे बड़ी चीज है। देव ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी पोस्ट शेयर की है।

ट्विटर पर देव ने लिखा- 'इस खबर को आप सभी के साथ शेयर करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। हम सब कलाकार है और हम सभी चांद पर जा रहे हैं।'

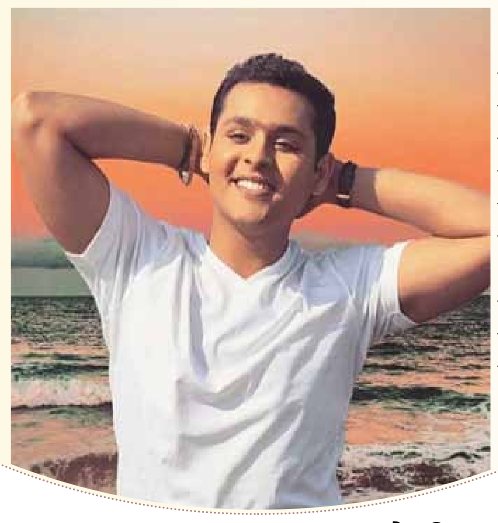

देव जोशी कौन हैं?

देव जोशी अपने सुपर हीरो टीवी शो बालवीर को लेकर जाने जाते हैं। उन्होंने बचपन में करीब 3 साल की उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। वो कई फिल्मों और टीवी शोज में नजर चुके हैं। बेहद कम उम्र में देव जोशी ने बहुत कुछ अचीव कर लिया है, उन्हें उनके फेमस टीवी शो बालवीर के लिए जाना जाता है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड रोहन संग थाईलैंड में वेकेशन मना रहीं अंशुला: रोमांटिक फोटोज शेयर कर लिखा- बर्थडे मंथ की धमाकेदार शुरूआत

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर इन दिनों स्क्रीन राइटर रोहन ठक्कर संग अपनी डेटिंग की खबरों की वजह से खूब सुर्खियों में हैं। दरअसल हाल ही में अंशुला ने रोहन संग अपनी थाईलैंड ट्रीप की कुछ रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। इसमें वो Maroon 5 का म्यूजिक कॉन्सर्ट अटेंड करती हुई नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने रोहन को हग करते हुए भी एक फोटो पोस्ट की है।

अंशुला ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'बर्थडे मंथ की धमाकेदार शुरूआत। बहुत डांस किया, अब तो रात के 1 बजे पैरों को मालिश की जरूरत पड़ने वाली है। मैंने अपने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं कोर्सेट टॉप पहन कर इतना एंजॉय कर पाउंगी। ये हमेशा की तरह वाले लव अफेयर जैसा है।' इन फोटोज में अंशुला वाइट टॉप और पिंक पैंट में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

फोटो में अंशुला और रोहन एक दूसरे में खोए हुए नजर आ रहे हैं। अंशुला और रोहन की इस फोटो को देखने के बाद फैंस इस लव बर्ड पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। अंशुला के इस पोस्ट को देखने के बाद लग रहा है कि अंशुला ने भी इस रिश्ते पर मुहर लगा दी है।

कौन हैं अंशुला के रूमर्ड बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर?

रोहन ठक्कर एक स्क्रीनराइटर हैं। रोहन ने अब तक बॉलीवुड में तो काम नहीं किया है, लेकिन वो कुछ भाषाओं में स्क्रीनराइटर के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने कैलीफोर्निया यूनिवर्सिटी से फिल्म एंड टीवी डेवलपमेंट की पढ़ाई की है। इसके अलावा न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी से उन्होंने प्ले राइटिंग और स्क्रीनराइटिंग में एमए किया है।

पैपराजी पर फूटा मुनमुन दत्ता का गुस्सा: बोलीं- कैमरे के पीछे से बेहुदा कमेंट करना बंद करें

टीवी शो तारक में बबीता जी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता अचानक पैपराजी पर भड़क उठीं। दरअसल बीती रात मुनमुन लंबे समय बाद आईटीए अवॉर्ड नाइट में पहुंची थी। इस दौरान वो नियॉन ग्रीन आउटफिट और सिल्वर इयररिंग्स में बेहद खूबसूरत नजर आईं। रेड कार्पेट पर पोज देने के बाद मुनमुन मीडिया इंट्रैक्शन के लिए पहुंची, तभी बातचीत के दौरान उन्होंने अपना आपा खो दिया और पैपराजी पर चिल्ला उठीं। गुस्से में मुनमुन ने कहा- ये जो पीछे कमेंट करते हैं। जो बाद में सुनाई देता है उनके वीडियोज में, वो लोग जरा कमेंट करना बंद करें। ये जो लोग बेहूदा कमेंट करते हैं पीछे से, वो कम्युनिटी आज कल बढ़ गई है।' गुस्सा निकालने के बाद एक्ट्रेस ने अवॉर्ड सेरेमनी के बारे में बात करते हुए कहा- आईटीए एक बड़ा ब्रांड है। इसलिए इस सेरेमनी का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस होता है। मैं वहां पर होने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं।

11 दिसंबर को मुंबई में आईटीए अवॉर्ड्स ऑर्गनाइज किया गया। जिसमें डायरेक्टर रोहित शेट्टी, अर्जुन बिजलानी, रवीना टंडन, श्रद्धा आर्या, प्रतीक सहजपाल, निया शर्मा समेत कई सितारों ने शिरकत की थी। अवॉर्ड नाइट की तस्वीरें और वीडियो काफी सुर्खियों में हैं।

पार्टी में अनकंफर्टेबल हुई विद्या बालन: शख्स के हाथ में फंसी साड़ी, सोशल मीडिया यूजर्स बोले- फंसी नहीं खींची गई है

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन के साथ हाल में ही कुछ ऐसा हुआ जिसकी वजह से वो कुछ समय के लिए असहज हो गईं। विद्या बालन अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर के साथ फिल्म मेकर गुनीत मोंगा की प्री वेडिंग पार्टी में शामिल होने पहुंची थीं। विद्या बालन ने इस फंक्शन में रेड कलर की साड़ी पहनी थी।

इस दौरान जब वो पैपराजी के सामने पोज देने के लिए आ रहीं थीं तभी सामने से गुजरते एक शख्स के हाथ में विद्या की साड़ी का पल्लू फंस गया। पल्लू के फंसते ही विद्या की साड़ी का प्लेट खुल गया। ये पूरा मोमेंट कैमरे के सामने कैद हो गया। विद्या के साथ जब यह वाकया हुआ तो उनके साथ उनके पति सिद्धार्थ रॉय कपूर भी साथ थे। हालांकि विद्या ने काफी समझदारी के साथ इस सिचुएशन को हैंडल कर लिया।

विद्या ने भले ही मुस्कुरा के इस सिचुएशन को संभाल लिया हो लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स को यह वाकया रास नहीं आया। एक यूजर ने लिखा - 'जानबूझ के खिंचा है पल्लू'

वहीं एक ने लिखा- 'इतने सारे कैमरे के सामने उसने ये किया ऊपर से सॉरी भी नहीं बोला, कौन सेफ है इस दुनिया में।'

वहीं एक यूजर ने लिखा- 'पल्लू फंसा नहीं बल्कि जान बूझ के खींचा गया है।'

लॉफिंग ज़ोन

मरीज (डॉक्टर से)- डॉक्टर साहब क्या आप मेरी बीमारी का पता लगा सकते हैं।

डॉक्टर (गुस्से से)- हां तुम्हारी आंखें बहुत कमजोर हैं।

मरीज- आपको कैसे पता चला?

डॉक्टर- तुमने बाहर बोर्ड पर नही पढ़ा कि मैं जानवरों का डॉक्टर हूं।

□ □ □

पठान ने डॉक्टर को बहुत मारा...

लोगों ने पठान से पूछा डॉक्टर को क्यों मारा..??

पठान- डॉक्टर बिल्कुल पागल है इतनी गर्मी में कहता है कि पानी उबालकर पिया करो।

□ □ □

मरीज- डॉक्टर साहब, मैं बहुत कमजोरी महसूस कर रही हूं, मैं मरना चाहती हूं।

डॉक्टर (मरीज से)- घबराओ नही, वो सब तुम मुझ पर छोड़ दो।

□ □ □

डॉक्टर (मरीज से)- दवाई हिलाकर पिया करें।

मरीज- डॉक्टर साहब बड़ी परेशानी होती है दवाई हिलाने से चम्मच से गिर जाती है फिर जमीन से चाटनी पड़ती है।

□ □ □

स...स...सन्नाटेदार

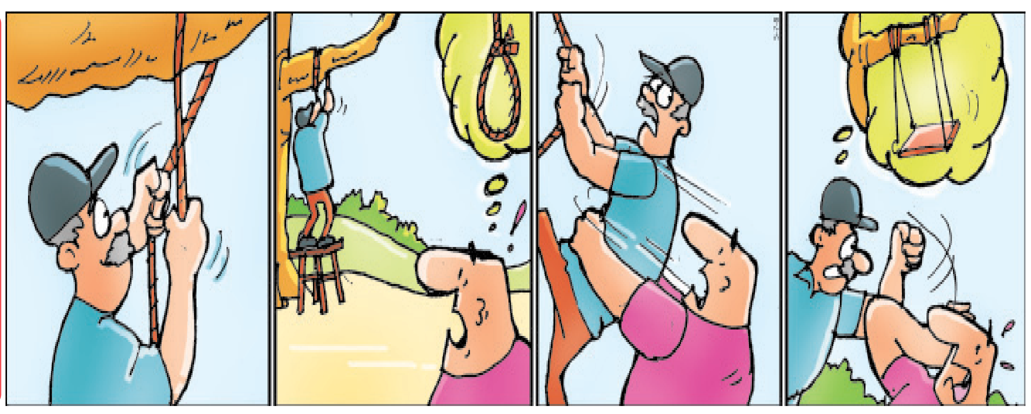

सूडोकु नवताल- 5053

★★★★☆ मध्यम

			9		7			
					3	5		
	7	2				6		
8	1							7
				7				
5							6	3
		6				2	8	
		3	4					
			1		9			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5052 का हल

3	6	5	4	1	7	9	2	8
1	4	7	8	2	9	3	6	5
8	9	2	5	6	3	7	1	4
6	3	4	9	5	1	2	8	7
5	2	1	7	4	8	6	3	9
9	7	8	6	3	2	4	5	1
4	5	9	3	8	6	1	7	2
7	1	3	2	9	5	8	4	6
2	8	6	1	7	4	5	9	3

काकुरो पहेली - 5053

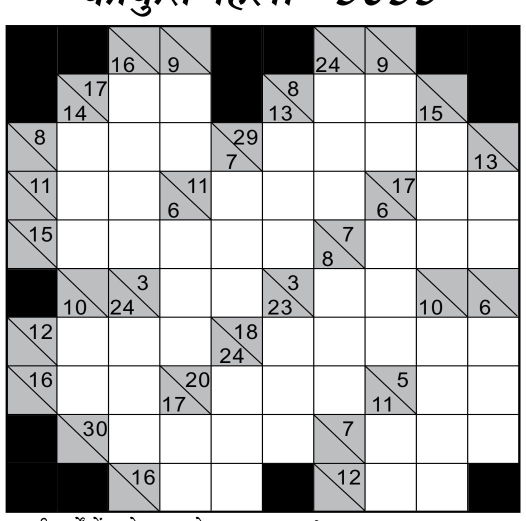

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

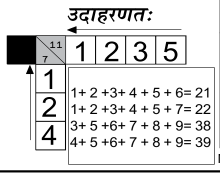

काकुरो - 5052 का हल

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

अष्टयोग - 5053

7	5		3	6		
	33		32		28	
2		7			6	1
	30	2	37	4	34	
5	1			7		4
	26		38		36	
	1	5	6			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5052 का हल

5	7	3	1	4	6	2
6	31	1	25	5	33	1
3	1	5	4	2	6	7
4	27	2	28	1	37	6
2	3	7	1	6	5	4
7	36	6	37	3	35	3
1	6	4	3	7	2	5

शब्द पहेली - 5053

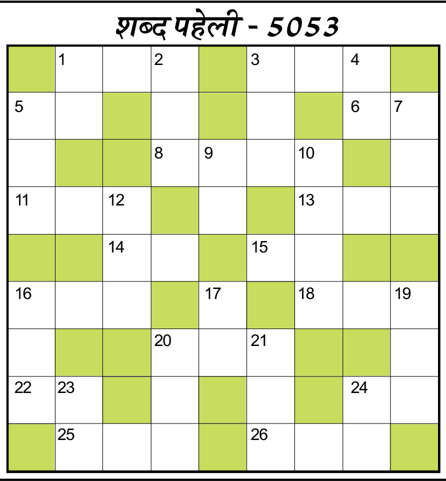

बाएँ से दाएँ

1. किताब, ग्रंथ -3
3. बसा हुआ, खुशहाल, आवासित(ऊर्दू-3)
5. पराजय, माला-2
6. बुरी आदत, कुव्यसन-2
8. करीब, पास-4
11. पदक, चक्र, सिक्का-3
13. योग्य-3
14. मृत्यु के देवता-2
15. बंग्लादेश की मुद्रा-2
16. शुद्ध, पवित्र-3
18. एक अरबी ज्योतिष पद्धति-3
20. कदाचित, संभवत:-3
22. अंधकार, राहु-2
24. नमक का स्वाद, खारापन-2
25. शहर-3
26. जुल्म, यंत्रण-3

ऊपर से नीचे

1. नगर, शहर, बाजार-2
2. धनुष, वापदंड-3
3. स्वाधीनता, बंधनहीनता-3
4. पार्टी-2
5. परिस्थिति-3
7. विवाह का संबंध विच्छेद -3
9. न्यायपति, न्यायकर्ता, न्यायाधीश (अंग्रेजी में)-2
10. हुनरबाज-4
12. कंठ संगीत, गीत-3
16. स्वीकृत, मजूर-3
17. निर्धारित, मुकर-2
19. पंक्ति, रेखा-3
20. कवि, चारण-3
21. सागर, तालाब-3
23. अमिर खान और मनीषा कोइराला की एक हिन्दी फिल्म-2
24. भोजन करना-2

शब्द पहेली -5052 का हल

	म	का	न		भ	र	स	क
ख			म	ग	न			या
रों		पा	क		क	र		म
च	म	क	दा	र		स	त	त
	ही		न		स		क	
ज	न	क		स	म	का	ली	न
न्म		मी	ना		जा	ल		वा
ले			र	म	ती			ज
ना	रा	ज	गी		य	की	न	

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

शब्दजाल - 5053

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

शब्दजाल - 5052 का हल

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

मंगल सैणचा, बेंगलोर.

फिल्म वर्ग पहेली- 5053

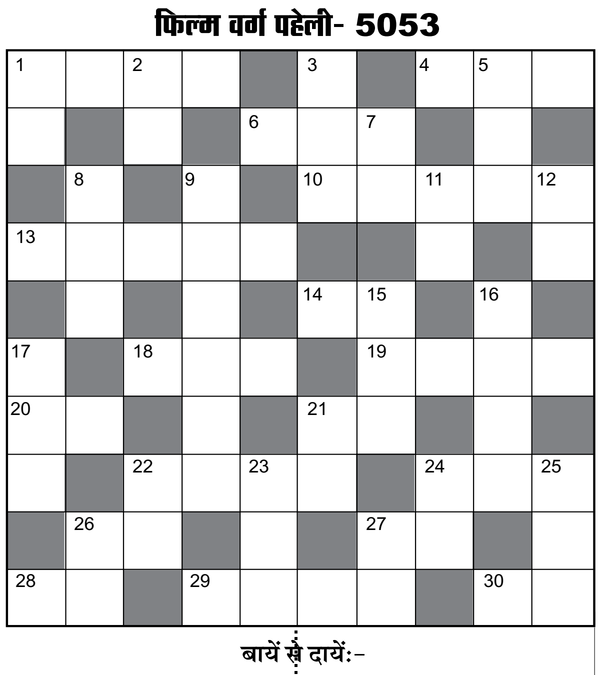

ऊपर से नीचे:-

1. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
2. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-2
3. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-3
5. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-3
7. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
8. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-2,1,3
11. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-2
12. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
15. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
16. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-3
21. राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-3
24. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-2
25. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-3
26. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-2
27. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-2

बायें से दायें:-

1. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-4
4. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-3
10. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-5
14. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-2
18. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-4
20. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-2
22. ऋषिक पूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-4
24. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-3
26. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-2
27. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-2
28. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-4
30. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 5052 का हल

म	न	मं	दि	र		गु	म	रा	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
मं	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	रौ	दा		क्ति		रा	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रु	दा	ली		माँ

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर